पहली खबर, सबपे नजर

अमृतवर्षा

पटना

वर्ष -	38
अंक -	87
शनिवार, 13 अप्रैल 2024	
रजि. नं. पी टी. -	405
पेज -	08
मूल्य -	2.00

website:- www.amritvarshanews.in/e-mail:- amritvarshanews2015@gmail.com

पटना, धनबाद व नई दिल्ली से प्रकाशित

न्यूज फ्लैश

लोकसभा चुनाव: 21 राज्यों में 127 सामान्य पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली। देशभर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव शुरू होने वाला है। 21 राज्यों के 102 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा। इसके लिए 127 सामान्य पर्यवेक्षक, 67 पुलिस पर्यवेक्षक और 167 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। सभी नामांकन के आखिरी दिन यानी की 26 मार्च को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रिपोर्ट कर चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखवीर सिंह सांधु ने सभी पर्यवेक्षकों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए गर्मी से निपटने के लिए सभी प्रकार की योजनाओं की व्यवस्था हो। मतदान के दौरान बलों का कम प्रयोग हो और कानून व्यवस्था का पालन किया जाए। लोकसभा चुनाव 2024 में कश्मीरी प्रवासियों को मतदान की सुविधा प्रदान करते हुए चुनाव आयोग ने जम्मू और उधमपुर में रहने वाले घाट के विस्थापिट लोगों के लिए फॉर्म-एम भरने की प्रक्रिया को समाप्त कर दिया है।

वायुसेना को देना होगा 1.54 करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के सांबा में साल 2002 में एक सैन्य अस्पताल में संक्रमित रक्त चढ़ाने के कारण एक बुजुर्ग को एचआईवी हो गया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को एचआईवी से पीड़ित बुजुर्ग को मुआजवे के तौर पर लगभग 1.54 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हलांकि, अदालत ने इस मामले पर अपने फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस दिपांकर दत्ता और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि पिछ्ले साल सितंबर के फैसले में ऐसी कोई गलती नहीं है कि इस पर पुनर्विचार किया जाए। पीठ ने तीन अप्रैल को जारी अपने आदेश में कहा, हमने 26 सितंबर 2023 के फैसले और आदेश की समीक्षा याचिका का अध्ययन किया। इसमें कोई ऐसी गलती नहीं है, जिसपर हमें पुनर्विचार करना पड़े।

ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता की याचिका पर विचार करने से अदालत ने किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता की एक याचिका पर विचार करने से मना कर दिया है, जो मणिपुर हिंसा से जुड़ी हुई थी। याचिका में कार्यकर्ता ने मांग की थी कि अदालत हिंसा के विरोध में आमरण अनशन करने पर उसके खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को रद्द करने का निर्देश दे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ- न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कार्यकर्ता मालेम थोंगम से कहा कि आप चाहें तो मणिपुर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती हैं, आप इसके लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 482 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए मणिपुर उच्च न्यायालय में जाने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत हम इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हैं।

नवादा की जनसभा में मुख्यमंत्री ने फिर लालू राबड़ी सरकार पर किया हमला, कहा

उनके राज्य में क्या था, कोई डर से घर से निकलता था क्या

नवादा/पटना, अमृतवर्षा सं.। लोकसभा के चुनाव प्रचार के अभियान में मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सबसे पहले नालंदा में रोड शो किया उसके बाद उन्होंने नवादा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन सरकार पर फिर से जमकर हमला बोला। नीतीश कुमार ने फिर से एक बार लालू प्रसाद यादव के जंगलराज के बारे में लोगों को बताया और मंच से उनकी और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के सरकार के ऊपर कई तंज कसे। बता दे की सीएम नीतीश वारिसलीगंज में प्रचार करने पहुचें थे। उनके साथ मंत्री विजय चौधरी और संजय झा भी मंच पर मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद ये सीएम का पहला चुनावी दौरा है। जहां वो बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे थे। जनसभा को संबोधित करते हुए

सीएम नीतीश ने कहा कि 2005 से हमलोग एक साथ काम कर रहे हैं। दो बार हम इधर-उधर हुए हैं, लेकिन अब कहीं नहीं जाएंगे। हमसे पहले का राज याद है ना कोई शाम में नहीं निकलता था।

पति-पत्नी का राज था, खुद हटे तो पत्नी को सत्ता दे दी: इस दौरान नीतीश कुमार ने एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल में व्याप्त परिवारवाद को लेकर लालू प्रसाद यादव पर हमला किया। नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि आप लोग जानते हैं ना की 2005 के बाद जब हम लोगों को काम करने का मौका मिला तो हम लोगों ने कितना काम किया है। जो लोग पहले थे उन लोगों ने कुछ काम नहीं किया, उन लोगों ने केवल अपने परिवार को आगे बढ़ने का काम किया। जब वह सत्ता से हटे तो अपने पार्टी में से किसी को बनाने के बजाय उन्होंने शासन अपनी पत्नी को दे दी जिससे वह लगातार बिहार पर कंट्रोल रख सके।

उनका बेटा बोलते रहता हैं की सब काम हमने किया है: नवादा की जनसभा में नीतीश कुमार ने कहां की हम हमेशा जनता के बीच रहना पसंद करते हैं जब हम लोकसभा के सदस्य हुआ करते थे तब भी हमें अगर कोई काम रहता था तो हम कभी अपने व्यक्तिगत काम के लिए सरकारी वाहन का प्रयोग नहीं करते थे बल्कि पैदल जाते थे। वही इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव पर भी जमकर हमला किया। नीतीश ने कहा कि हम लोग लगातार बिहार के लिए काम कर रहे हैं बीच में गलती से हम उन लोगों को अपने साथ ले लिए और अब उनका छोटा बेटा कहता रहता है कि कोई काम हुआ है सब काम हमने ही किया है। नीतीश ने कहा कि मुझे इन सब से कोई मतलब नहीं मैंने कभी प्रचार प्रसार नहीं किया, लेकिन उधर वाले लोग तो काम काम करते हैं और प्रचार-प्रसार ज्यादा करते हैं। हमने अपने साथ निश्चय पार्ट 2 में ही कहा था कि युवाओं को हम नौकरी देने की दिशा में काम करेंगे लेकिन जब हम उन लोगों के साथ गए और अपनी योजना को आगे बढ़ाया तो आज उनके बेटे कहते रहते हैं कि हमने सब काम किया है हमने इनसे काम करवाया है। यह सब बेकार और बकवास की बातें हैं आप लोग जान लीजिए कि हम काम करते रहे हैं और आगे भी काम करते रहेंगे।

कांग्रेस पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का तंज

डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी

चमोली/अल्मोड़ा/काशीपुर, एजेंसी। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर वोटिंग के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे सियासी सरगर्मियां तेज हो गई है। अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए स्टार प्रचारक मैदान में उतर गए हैं। आज केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड की तीन लोकसभा सीट पर धुआंधार प्रचार किया। इस दौरान राजनाथ सिंह कांग्रेस पर भी जमकर बरसे। दरअसल, गौचर में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गढ़वाल लोकसभा सीट से बीजेपी के प्रत्याशी अनिल बलूनी के पक्ष में जनसभा की। जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखंड देश की सीमाओं की रक्षा करता आ रहा है। इसलिए यह प्रदेश खास है। इसके अलावा कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक सरकार चलाई, जिनमें कई घोटाले हुए। मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में किसी भी मंत्री के ऊपर एक भी भ्रष्टाचार

का आरोप नहीं लगा। राजनाथ सिंह ने कहा जैसे दुनिया से डायनासोर लुप्त हो गया, वैसे ही कांग्रेस लुप्त हो जाएगी। हरीश रावत ने खुद ही कह दिया कांग्रेस सुस्त हो गई है। कांग्रेस बिग बॉस शो का घर बनी है। हर दिन एक दूसरे के कपड़े फाड़ रही है। वहीं, गढ़वाल लोकसभा सीट से बीजेपी के प्रत्याशी अनिल बलूनी ने कहा कि उत्तराखंड से संबंधित कोई भी काम रहा हो, उसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिना किसी संकोच के पूरा किया। रक्षा मंत्री बनने के बाद उनके पास डॉप्लर रडार लगाने की अपील की थी, जो आज लग चुका है। यह भूकंप की सटीक जानकारी देता है। जब जापान, इंग्लैंड जैसे शक्तिशाली देश कोरोना में फेल हो गए तो भारत में मोदी सरकार ने तीन- तीन वैक्सीन निशुल्क लगवाई।

बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में जब्त किए 365 करोड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने 365 करोड़ रुपये की संपत्ति सीज और जब्त की है। इसके अलावा तीन तृणमूल कांग्रेस विधायक अब तक अरेस्ट हो चुके हैं और एक की भूमिका की जांच हो रही है। ईडी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि अब तक इस घोटाले में 365.6 करोड़ रुपये की जब्ती हुई है। इसके अलावा आगे भी जांच जारी है। ईडी ने कहा कि हमने पहले ही इस मामले में 135 करोड़ रुपये की जब्ती की थी। अब 230 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी नए सिरे से अटैच की है। एजेंसी ने बताया कि अब तक जिन संपत्तियों को जब्त किया गया है, उनमें प्रसन्न कुमार रॉय और शांति प्रसाद सिन्हा की जमीन और फ्लैट शामिल हैं। आरोप है कि इस मामले में प्रसन्न कुमार रॉय मुख्य बिचौलिये के तौर पर भूमिका अदा की। उन्होंने ही टीचर भर्ती में शामिल होने वाले कैंडिडेट्स से रकम जुटाई थी और उनकी डिटेल हासिल की। उस दौरान शांति प्रसाद सिन्हा पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के सलाहकार थे। ऐसे में उनकी भूमिका भी संदिग्ध पाई गई और उन्हें भी अरेस्ट किया गया। इस मामले की जांच सीबीआई ने शुरू की थी, जिसे मई 2022 में उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था।

शराब घोटाले में फंसीं के कविता को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने सीबीआई रिमांड में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने के कविता को तीन दिन की सीबीआई रिमांड में भेज दिया है। यानी के कविता 15 अप्रैल तक सीबीआई रिमांड में रहेंगी। उन्हें 15 अप्रैल को फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने केकविता को गुरुवार को गिरफ्तार किया था और पांच की हिरासत की मांग की थी। कोर्ट ने सीबीआई की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी के बाद से तिहाड़ जेल में हैं। उधर सीबीआई ने अदालत को बताया कि कविता जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और सवालों का जवाब देने से बच रही हैं। वहीं आरोपी के वकील नितेश राणा ने सीबीआई की याचिका का विरोध करते हुए इस गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया। उन्होंने जांच एजेंसी पर कविता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। हालांकि कोर्ट ने के कविता को 15 अप्रैल तक सीबीआई रिमांड में भेज दिया है। बता दें, सीबीआई ने विशेष अदालत से अनुमति लेने के बाद शनिवार को जेल के अंदर कविता से पूछताछ की थी। बीआरएस नेता से मामले में सह-आरोपी बुच्ची बाबू के फोन से मिले व्हाट्सऐप चैट और एक भूमि सौदे से संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की गई थी।

10 महीने के निचले स्तर पर खुदरा महंगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च महीने के दौरान खुदरा महंगाई में गिरावट आई है। खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में घटकर 4.85 प्रतिशत पर रही जो इससे पहले फरवरी महीने में 5.09 प्रतिशत थी। यह 10 महीने के निचले स्तर पर है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 5.09 प्रतिशत थी जबकि मार्च, 2023 में यह 5.66 प्रतिशत पर रही थी। इसके पहले अक्टूबर, 2023 में यह 4.87 प्रतिशत रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खाद्य उत्पादों की महंगाई दर 8.52 प्रतिशत रही जबकि एक महीने पहले फरवरी में यह 8.66 प्रतिशत थी। बता दें कि सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत कम या अधिक) पर सीमित रखने का दायित्व सौंपा हुआ है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों पर फैसला करते हुए खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को ही ध्यान में रखती है। केंद्रीय रिजर्व बैंक ने इस साल सामान्य मॉनसून की उम्मीद जताते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 प्रतिशत और सितंबर तिमाही में 3.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

बेंगलुरु रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट: 2 आरोपी बंगाल से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी सिटी बेंगलुरु के रामेश्वर कैफे में 1 मार्च को हुए बम धमाके की एनआईए ने गहराई से जांच की है और कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। इस मामले के दो मुख्य आरोपियों मुसब्बिर हुसैन शाजेब और अब्दुल मतीन ताहा को एनआईए ने बंगाल से अरेस्ट कर लिया है। इन दोनों ने ही कैफे में बम रखा था और धमाका किया था। इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए लंबा अभियान चला था। इसके लिए एनआईए के साथ बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल की पुलिस भी जुटी थीं। सूत्रों ने बताया कि अब तक मिले सबूतों के अनुसार मुसब्बिर हुसैन ने ही बैग में बम रखा था और उसे कैफे में छोड़ आया था। इसके अलावा अब्दुल मतीन ताहा ने पूरी घटना की साजिश रची थी और

फिर मुसब्बिर को भागने में मदद की। एनआईए का कहना है कि यह हमला महज दो लोगों की हरकत का नतीजा भर नहीं है बल्कि इसके पीछे एक बड़ा नेटवर्क है, जो विदेश तक फैला है। इस मामले में यह दूसरी और तीसरी गिरफ्तारी है।

इससे पहले मार्च में मुजम्मिल शरीफ नाम के आतंकी को गिरफ्तार किया गया था। मुसब्बिर हुसैन और अब्दुल मतीन कर्नाटक के ही शिवमोगा के रहने वाले हैं। घटना को अंजाम देने के बाद ये लोग कई राज्यों से होते हुए बंगाल पहुंचे थे। लेकिन एजेंसी ने इनका पीछा नहीं छोड़ा और कुल 18 जगहों पर छापेमारी करते हुए बंगाल से आखिर में अरेस्ट कर लिया। रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट में 10 लोग जख्मी हो गए थे। अच्छी बात यह रही कि इस धमाके में किसी की मौत नहीं हुई। इसकी एक वजह यह थी कि बम जहां रखा गया था, वहां एक बड़ा पिलर था और कम लोगों की मौजूदगी थी। धमाका हुआ तो उसका सबसे ज्यादा असर पिलर पर दिखा और अन्य लोग बच गए। एनआईए ने इस मामले के हर आरोपी की जानकारी देने पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। बेंगलुरु जैसे शहर के नामी कैफे में धमाके ने एजेंसियों की चिंताएं बढ़ा दी थीं। मुसब्बिर हुसैन और अब्दुल मतीन को विदेशी हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे।

राज्यपाल से आरपार के मूड में केके पाठक, राजभवन से कहा

शिक्षा विभाग के काम में हस्तक्षेप न करें

पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो

बिहार में विश्वविद्यालयों के मुद्दे पर राजभवन और शिक्षा विभाग की तनातनी जगजाहिर है। अब शिक्षा विभाग के एसीएस केके पाठक राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के खिलाफ आरपार के मूड में आ गए हैं। पाठक ने शुक्रवार को राजभवन को एक पत्र लिख दिया। इसमें उन्होंने राज्यपाल द्वारा विभाग के कामों में हस्तक्षेप करने पर आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही कहा कि आगे से वे उनके मामलों में हस्तक्षेप न करें। इस पत्र के बाद राजभवन और शिक्षा विभाग के बीच टकराव और तेज हो गया है। इससे पहले राज्यपाल ने विभाग पर यूनिवर्सिटी के कार्यों में बाधा डालने के आरोप लगाए थे। के-के पाठक ने शुक्रवार को यह पत्र राजभवन के प्रधान सचिव को लिखा। इससे पहले राज्यपाल

राजेंद्र आर्लेकर की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की 9 अप्रैल को बैठक बुलाई गई थी। उसमें केके पाठक को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए। बैठक में विभिन्न यूनिवर्सिटी के वीसी ने केके पाठक की शिकायत की। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा यूनिवर्सिटी के खातों पर रोक लगाने से शैक्षणिक सत्र बाधित हो रहे हैं। बता दें कि राज्यपाल राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। राज्यपाल की मीटिंग में बुलाने पर भी नहीं गए केके पाठक, शिक्षा विभाग की बैठकों में नहीं आ रहे थे वीसी बता दें कि राजभवन और शिक्षा विभाग में लंबे समय से टकराव चल रहा है। शिक्षा विभाग ने पहले कई बार विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं के मुद्दों पर बैठकें आयोजित कीं। मगर एक बार भी वीसी एवं अन्य पदाधिकारी इन बैठकों में शामिल नहीं हुए। शुरूआत में राज्यपाल ने भी कुलपतियों को केके पाठक की बैठक में जाने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए वीसी की सैलरी रोकी और यूनिवर्सिटी के खाते भी होल्ड पर डाल दिए थे।

मोदी बोले- जम्मू-कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा मिलेगा, कहा

कुछ लोग मुगलों की तरह सावन-नवरात्रि में मटन का वीडियो डालकर चिढ़ाते हैं

उधमपुर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में शुक्रवार को पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए बिना नाम लिए राहुल गांधी और लालू परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग सावन के महीने में मटन बनाते हैं, इतना ही नहीं इसका वीडियो भी बनाते हैं और जारी करते हैं। देश का कानून किसी को भी कुछ भी खाने से नहीं रोकता, ना ही ये मोदी किसी को नहीं रोकता है। सबकी स्वतंत्रता है, वेज खाएं या नॉन वेज खाएं। ये लोग वीडियो जारी कर देश के लोगों को चिढ़ाते हैं। ये लोग सावन के महीने में वीडियो दिखाकर, मुगल मानसिकता के द्वारा लोगों को चिढ़ाना चाहते हैं और अपना वोट बैंक पक्का करना चाहते हैं। बता दें कि बीते सावन के महीने में दिल्ली में मीसा भारती के घर पर लालू यादव का मटन बनाते हुए एक वीडियो राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वहीं चैत्र नवरात्र के पहले दिन

तेजस्वी ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर हेलिकॉप्टर पर मछली खाते हुए एक वीडियो शेयर किया था।

मान्यताओं पर हमला इनकी मानसिकता: आगे पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों की मनसा दूसरी होती है। जब मुगल का शासन था वो आक्रमण करते थे, तो राजा को हरा कर भी संतोष नहीं होता था। जब तक मंदिर तोड़ नहीं लेते थे, उन्हें संतोष नहीं होता था। इनकी मानसिकता भी उन मुगलों जैसी है। नवरात्रि के दिनों में मछली का वीडियो दिखाकर किसको खुश करने की कोशिश करते हैं। ये देश की मान्यताओं पर हमला है। पीएम ने ये भी कहा कि मुझे पता है कि मेरे ये सब कहने के बाद वो गालियों की बौछार लेकर मेरे पीछे पड़ जाएंगे। मैं कहना नहीं चाहता हूं, लेकिन लोकतंत्र की रक्षा के लिए मेरा ये दायित्व है इसलिए बोलता हूं।

राहुल गांधी ने लालू यादव से मटन बनाना सीखा: 7 महीने पहले सावन में राहुल गांधी को लालू यादव ने मटन बनाना सिखाया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता राहुल गांधी ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वीडियो में वे मटन की सीक्रेट रेसिपी के साथ-साथ राजनीति के गुर भी लालू यादव से सीखते नजर आ रहे थे। इस दौरान राहुल गांधी ने लालू परिवार संग न सिर्फ बिहारी मटन का स्वाद चखा था, बल्कि इसे बनाया भी था। वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने कैप्शन लिखा था- लालू जी की सीक्रेट रेसिपी और राजनीतिक मसाला। वीडियो में राहुल गांधी लालू यादव से मटन की रेसिपी के साथ राजनीतिक मसालों की टिप्स भी लेते नजर आ रहे हैं। इस दौरान दोनों के बीच काफी हंसी मजाक भी हुआ। मुलाकात के वक्त लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा और तेजस्वी भी वहां पर मौजूद थे। पूरी खबर पढ़िए

तेजस्वी-सहनी ने हेलिकॉप्टर में खाई थी चेचरा मछली: चैत्र नवरात्र के पहले दिन 9 अप्रैल को तेजस्वी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल ७ पर एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें वो हेलिकॉप्टर में श्क्ढ प्रमुख मुकेश सहनी के साथ में लंच में चेचरा मछली और रोटी खाते दिखाई देते दिख रहे थे। खाने की थाली में मिर्च और प्याज भी थी। सहनी थाली में रखी मिर्च उठाकर कहते दिखे थे कि हम दोनों को साथ देखकर कई लोगों को ऐसी ही मिर्च लग रही होगी।

अगली सूचना तक ईरान और इस्राइल की यात्रा करने से बचें: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने ईरान और इस्राइल के लिए यात्रा सलाह जारी की है। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को सलाह दी है कि अगली सूचना तक ईरान और इस्राइल की यात्रा न करें। विदेश मंत्रालय ने उन सभी भारतीयों से भी अनुरोध किया है, जो वर्तमान में ईरान और इस्राइल में रह रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि इन देशों में रह रहे भारतीय तुरंत दूतावास से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। मंत्रालय ने अनुरोध किया है कि वे अपनी सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतें और अपनी गतिविधियों को कम लोगों के साथ ही साझा करें। विदेश मंत्रालय का यह फैसला इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के कारण आया है। आशंका है कि इस्राइल हमास के बीच जारी युद्ध में ईरान भी हस्तक्षेप कर सकता है। अमेरिका ने भी खतरे को देखते हुए अपने नागरिकों को ऐसी ही एडवाइजरी जारी की है। अमेरिका ने अपने लोगों से यात्रा से बचने, दिशा निदेर्शों का पालन करने और जरूरत पड़ने पर दूतावास में संपर्क करने को कहा है।

हमास ने 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल की अभेद्य मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ते हुए इसके इलाकों में हमला किया था। इस हमले में 1200 से ज्यादा इस्राइलियों की जानें गई थीं। इस दौरान हमास लड़ाके 240 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। वहीं इस्राइल के जवाबी हमलों में हजारों फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। गाजा के 24 लाख लोगों में से 19 लाख अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं, उनमें आधे बच्चे शामिल हैं।

मारपीट मामले में शिक्षक सहित दो लोग गिरफ्तार

भागलपुर। पुलिस ने बोबिल पंचायत मुस्लिम टोल भोरहा बासा में छापामारी कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में एक पंचायत शिक्षक मोहम्मद इरशाद, व दूसरा मोहम्मद बसीर उद्दीन बताया जा रहा है। मोहम्मद इरशाद गांव के ही प्राइमरी स्कूल में कार्यरत हैं। इधर थानाध्यक्ष परेंद्र कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध थाना में मारपीट का मामला दर्ज था। जिसमें पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी। उन्होंने बताया कि फरार अभियुक्तों के विरुद्ध लगातार छापेमारी जारी है।

अपडेट न्यूज

किशनगंज में डीआरआई ने तीन गोल्ड तस्कर को पकड़ा

किशनगंज। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) सिलीगुड़ी इकाई को सूचना मिली थी कि किशनगंज से दो तस्कर सोने की डिलीवरी के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी पहुंचे हैं। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई।

इसके बाद तीनों तस्करों को रंगेहाथ पकड़ लिया। डीआरआई की टीम ने तीन सोना तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लाखों 82.50 लाख कैश और 12 गोल्ड बिस्किट बरामद किए गए हैं। डीआरआई की टीम मामले की जांच में जुट गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विधू भूषण रॉय (58), दिनेश पारीक (45) और मनोज कुमार सिन्हा (44) के रूप में की गई है। विधू भूषण रॉय कूचबिहार के पुंडीबारी बाजार का निवासी है। वहीं दिनेश और मनोज किशनगंज का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) सिलीगुड़ी इकाई को सूचना मिली थी कि किशनगंज से दो तस्कर सोने की डिलीवरी के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी पहुंचे हैं। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। इसके बाद तीनों तस्करों को रंगेहाथ पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान विधू भूषण रॉय ने कहा कि वह डिलीवरी का इंतजार कर रहे दो तस्करों को सोना सौंपने के लिए सिलीगुड़ी पहुंचे थे। जैसे ही तस्कर जलपाई मोड़ पहुंचे वैसे ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया। कार की तलाशी के दौरान डीआरआई टीम ने डिक्की से 82.50 लाख रुपये कैश और 12 गोल्ड बिस्किट बरामद किया। इसके बाद दिनेश पारीक और मनोज कुमार सिन्हा को गिरफ्तार किया गया। टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। तीनों को जेल भेजा जा रहा है।

न्याय नहीं मिला तो दुष्कर्म पीड़िता ने खा लिया जहर

मुजफ्फरपुर। जिले में न्याय न मिलने पर दुष्कर्म पीड़िता ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की है। फिलहाल उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह पूरा मामला जिले के जजुआर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। घटना के बाद से पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। दरअसल, जिले के निजी अस्पताल में कार्यरत बतौर नर्स को उसपर बुरी नजर रखने वाले स्टाफ ने दरिंदगी का शिकार बनाया था। यही नहीं आरोपी ने अपना मुंह बंद रखने के लिए पीड़िता को न सिर्फ धमकी दी थी। बल्कि विरोध करने पर गांव से निकालने की बात भी कई बार कही गई थी। मामले में पीड़िता ने बताया कि वह गांव के बाजार के पास एक निजी अस्पताल में बतौर नर्स काम करती थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि बीते एक अप्रैल की दोपहर को अस्पताल में भर्ती एक बच्चे की गंभीर हालत की बात बोलकर स्लाइन बोतल चढ़ाने का बहाना बनाकर अस्पताल के कर्मी ने पहले ऊपर बुलाया। फिर कहा कि तुम मुझे पसंद हो, अब खुश कर दो। वरना जबरन करना हमारी मजबूरी होगी। पीड़िता ने बताया कि जब मैंने उसका विरोध किया तो उसके बाद हाथापाई की नौबत आ गई। उसके बाद आरोपी ने बेहोशी का इंजेक्शन देकर उससे दरिंदगी की घटना को अंजाम दिया गया। वह एक घंटे तक बेहोश रही। होश में आने के बाद उसने इस मामले की जानकारी परिजनों को दी। पीड़िता ने बताया कि उसके बाद मामले में समझौते को लेकर एक पंचायत हुई। उस दौरान मुझ पर ही कई बेबुनियाद आरोप लगाकर गांव से बाहर निकालने की धमकी दी गई। अब जब कोई रास्ता नहीं दिखा और न्याय मिलने की आस नहीं दिखी तो थक-हार कर जहर खा लिया और अपनी जान देने का प्रयास किया है।

आर्म्स डिलेवरी करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंगेर। मुफस्सिल थाना की पुलिस ने अवैध आर्म्स की डिलेवरी और डिलेवरी के दौरान रेकी करने वाले आर्म्स एक्ट के फरार आरोपी को मिजार्पुर बरदह में गंगा में छलांग लगाकर गिरफ्तार कर लिया। पकड़ाए आरोपी की पहचान मिजार्पुर बरदह निवासी इन्द्रदेव सिंह के रूप में हुई है, जो मिनी गन फैक्ट्री मामले में आर्म्स एक्ट का आरोपी था और फरार चल रहा था। पुलिस जब गुप्त सूचना के आधार पर उसे पकड़ने पहुंची तो भागने के ख्याल से वह गंगा में कूद गया। इसके बाद पुलिस बल के जवान भी गंगा में कूदे और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रशिक्षु एएसपी सह मुफस्सिल थानाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इन्द्रदेव सिंह गंगा पार दियारा में बने अवैध हथियार को नाव से गंगा पार पहुंचाने में तस्करों की मदद करता था। इस दौरान वह रेकी भी करता था कि आर्म्स तस्करी के दौरान पुलिस तो पीछा नहीं कर रही है। पिछले दिनों बरदह दियारा में पकड़ाए मिनी गन फैक्ट्री मामले में वह आरोपी था। जिसमें वह फरार चल रहा था। जिसे गुरुवार की शाम गिरफ्तार किया गया।

अपराध की साजिश रच रहे तीन गिरफ्तार

दरभंगा। पुलिस निरीक्षक सह कमतौल थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने देर रात गुप्त सूचना पर थाने के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के साथ रतनपुर निवासी मनीष कुमार के घर पर छापेमारी की। वहां घर के अंदर एक कमरे से गृहस्वामी मनीष सहित तीन युवकों को एक दोनाली बंदूक के साथ दबोच लिया। इनकी पहचान रतनपुर निवासी गृहस्वामी मनीष सहित इसी गांव के निवासी बाल कृष्ण भारद्वाज उर्फ बाला जी ठाकुर व सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भरवाड़ा निवासी विवेक कुमार सिंह के रूप में हुई। कमतौल थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए इकट्ठा हुए थे, जो कमतौल पुलिस के हत्थे चढ़ गये। तीनों बदमाशों में दो का लंबा आपराधिक इतिहास है। बाला जी ठाकुर के विरुद्ध 12 मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ कमतौल थाने में पांच मामले, सिमरी थाने में दो मामले, सिंहवाड़ा थाने में हत्या व आर्म्स एक्ट के तीन मामले, जाले थाने में एक व विश्वविद्यालय थाना, दरभंगा में एक सहित कुल 12 मामले दर्ज हैं।

गया में ग्रामीण चिकित्सक को घर में घुसकर मारी गोली, मौत

गया, अमृतवर्षा सं.। जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में एक बार फिर बेखौफ अपराधियों का तांडव देखने को मिला। जहां गुरुवार देर रात अपराधियों ने अपने घर में सो रहे एक ग्रामीण चिकित्सक को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना थाना क्षेत्र के पिपरा गांव का है। पुलिस ने मृतक की पहचान 56 वर्षीय निरंजन वर्मा के रूप में की है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेह के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि बेलागंज खिजरसराय मार्ग पर सड़क किनारे हीं ग्रामीण चिकित्सक निरंजन वर्मा का मकान है। मकान के अगले हिस्से में हीं सो रहे थे। जहां आदि रात को ग्रामीणों ने गोली चलने की आवाज सुनी। जिसके बाद मृतक के परिजनों के

रोने चीखने की आवाज सुनकर मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरूष एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि अपराधियों ने निरंजन वर्मा के बांह एवं सीने में गोली मारी है। जिससे उनकी मौत घटनास्थल पर हीं हो गई। ग्रामीणों के अनुसार हत्या का कारण जमीनी विवाद बताया जा रहा है। मृतक एक ग्रामीण चिकित्सक थे। जिनके दो पुत्रों की मौत एक वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में हो गई थी। घर पर सिर्फ एक विधवा बहु और ग्रामीण चिकित्सक निरंजन वर्मा रहते थे। ग्रामीणों द्वारा घटना की तत्काल सूचना बेलागंज थाना की पुलिस को दी गई। जहां मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई। थानाध्यक्ष विनय कृष्ण प्रसाद ने बताया कि मृतक के शव को मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल गया में अंतःपरीक्षण करा कर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना का कारण जमीनी विवाद बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि संदेह के आधार पर तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। घटना की तहकिकात शुरू कर दी गई है। मृतक के परिजनों के द्वारा लिखित आवेदन दिए जाने के बाद अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

अररिया में 8 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या

अररिया, अमृतवर्षा सं.। जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के राघोपुर वार्ड नंबर 2 में मक्के के खेत में आठ साल की महादलित बच्ची का शव मिला। आशंका है कि बच्ची के साथ पहले दुष्कर्म किया गया और फिर हत्या कर उसके शव को मक्के के खेत में छिपा दिया गया। शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। मृत बच्ची की मां ने बताया कि पड़ोस में एक व्यक्ति के घर शादी थी, सभी लोग बारात में गये हुए थे। इसी बीच आंधी-बारिश शुरू हो गई। तो हम सभी लोग सोने के लिए घर चले आए। सुबह होने पर बच्ची जब घर से बाहर नहीं आई तो उसकी तलाश शुरू की गई।

अररिया में डूबने से दो बच्चियों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

अररिया, अमृतवर्षा सं.। जिले में दो बहनों की पोखर में डूबकर मौत हो गई। शुक्रवार की दोपहर भरगामा थाना क्षेत्र के जयनगर गांव स्थित एक पोखर में दोनों डूब गईं। जबतक निकाला जाता तबतक सगी बहनों की मौत हो चुकी थी। मृतका की पहचान आठ वर्षीय सुनीता कुमारी और छह वर्षीर्या रविता कुमारी जयनगर वार्ड संख्या दो निवासी अशोक यादव की बेटी के रूप में की गई है। छोटे भाई के साथ खेलने के दौरान पांच फिसलने के बाद यह हादसा हुआ। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पोखर के समीप ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना मिलने पर भरगामा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर दोनों बच्ची के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में प्राप्त बताया गया है कि जयनगर वार्ड दो निवासी अशोक यादव की

बेटी क्रमशः आठ वर्षीय सुनीता कुमारी व छह वषीर्या रविता कुमारी अपने छोटे भाई पांच वर्षीय दिलखुश कुमार के साथ पोखर के महार पर खेल रही थी। खेलने के क्रम में पैर फिसल जाने के चलते दोनो पोखर के गहरी पानी में चली गई । दोनों बहन को डूबता देख छोटा भाई दिलखुश कुमार दौड़कर अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी उसके बाद उन्हें डूबने का पता चला। परिजनों द्वारा हल्ला करने पर पर आसपास के ग्रामीण धीरेंद्र यादव, सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार मेहता आदि घटनास्थल पर दौड़कर पहुंचे। सबने मिलकर दोनों बहनों को पानी से निकाला । लेकिन तबतक दोनों की मौत हो गई थी। एक साथ दो बहनों का शव देखकर गांव वाले भी रो पड़े।

सुपौल में माइक्रोफाइनेंस कर्मचारी को गोली मारकर लूटे 19,500 रुपये

सुपौल, अमृतवर्षा सं.

जिले में जहां त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के भुतही नहर के पास शुक्रवार को बाइकसवार 3 अपराधियों ने माइक्रोफाइनेंस के कर्मी को गोली मारकर घायल कर दिया और उनसे 19 हजार 500 रुपये लूटकर फरार हो गया। घटना के बाद अन्य कर्मी ने आनन-फानन में उसे त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ। बीएन पासवान ने प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए सुपौल सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। जख्मी की पहचान अररिया जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र के पिथौरा वार्ड 3 निवासी 23 वर्षीय चंदन कुमार मेहता के रूप में हुई। घटना के संबंध में घायल समस्ता माइक्रोफाइनेंस कंपनी में कार्यरत चंदन कुमार मेहता ने बताया कि वह त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव कलेक्शन के लिए गया था। इसी दौरान कलेक्शन कर वापस जैसे

ही भुतही नहर के समीप पहुंचा तो पीछे से ओवरटेक कर काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने बिना कुछ कहे मेरे बायें कंधे पर गोली मार दी और जेब में रखे 19 हजार 500 रुपए लूटकर चलते बने। घटना के बाद घायल कर्मचारी ने अपने अन्य सहयोगी कर्मी को फोन कर बुलाया। इसके बाद घायल कर्मी को त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉ। बीएन पासवान ने प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए सुपौल सदर अस्पताल रेफर कर दिया है।

मुजफ्फरपुर में लापता किशोरी का शव मिला

मुजफ्फरपुर। जिले में एक लापता किशोरी का शव चिमनी के पास मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना हथौड़ी थाना क्षेत्र आसमापुर गांव की है। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। थानेदार ने बताया कि प्रथम द्रष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजन के बयान को दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतका कि शिनाख्त कर ली गई है। घटना के संबंध में मृतका के परिजनों ने बताया कि वह देर रात से लापता थी। हमलोग ढूंढने के लिए निकले।

गांव के ही दो लोगों ने कहा कि चिमनी के पास एक किशोरी का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचे तो देखे की बेटी का शव पड़ा हुआ है। शव देखकर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

776 करोड़ के घोटाले के आरोप में पूर्व आईएएस अधिकारी गोपालगंज से गिरफ्तार

गोपालगंज, अमृतवर्षा सं.

छत्तीसगढ़ में 776 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के मामले में गोपालगंज पुलिस ने पूर्व आईएएस और छत्तीसगढ़ उत्पाद विभाग के पूर्व विशेष सचिव अरुण पति त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी गिरफ्तारी भोरे थाना क्षेत्र के सिसई गांव से की गयी। पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि आईएएस कैडर के पदाधिकारी और छत्तीसगढ़ में अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव रहे अरुण प्रति त्रिपाठी पर घोटाले का मामला दर्ज है। छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले प्रकाश पति त्रिपाठी के पुत्र अरुण पति त्रिपाठी 9 माह तक जेल में रहने के बाद बाहर निकले थे और बीते जनवरी माह से ही मोबाइल बंद कर फरार चल रहे

थे। एसपी ने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस की इनपुट पर गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र की पुलिस ने सिसई गांव से अरुण पति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया और इन्हें छत्तीसगढ़ की एसीबी पुलिस को सौंप दिया है। इन पर इडी का केस है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद पूर्व विशेष सचिव अरुण पति त्रिपाठी का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे छत्तीसगढ़ में नई सरकार गठन होने के बाद साजिश के तहत फंसाने का आरोप लगा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार छत्तीसगढ़ में 776 करोड़ रुपये के शराब घोटाले का मामला सामने आया था, जिसमें सरकार ने नए सिरे से जांच के लिए एसीबी और इओडब्ल्यू ने एफआइआर दर्ज की। एफआईआर में गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र के सिसई निवासी और छत्तीसगढ़ के अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव और छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के एमडी अरुण पति त्रिपाठी समेत 70 लोगों को अभियुक्त बनाया था। इसी मामले में अरुण पति त्रिपाठी फरार चल रहे थे। जिन्हें गोपालगंज पुलिस ने भोरे थाना क्षेत्र के सिसई गांव से गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ की एसीबी पुलिस को सौप दिया है। एसपी ने बताया कि आइएएस कैडर के पदाधिकारी और छत्तीसगढ़ में अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव रहे अरुण प्रति त्रिपाठी पर घोटाला का मामला दर्ज है।

पूर्व मुखिया अब्दुल सलाम हत्याकांड में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

गोपालगंज, अमृतवर्षा सं.। लोकसभा चुनाव से पहले गोपालगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एआइएमआइएम के प्रदेश सचिव और सारण प्रभारी अब्दुल सलाम उर्फ असलम मुखिया की हत्या में शामिल लाइनर और हथियार सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किये गये इन अपराधियों के पास से एक कर्बाइन, एक ऑटोमेटिक साइफल, एक विदेशी पिस्टल और 23 कारतूस बरामद किया गया है। बता दें कि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के प्रदेश सचिव अब्दुल सलाम उर्फ असलम मुखिया की हत्या की गई थी। सीवान के खान ब्रदर्स पर भी हमला हुआ था। हालांकि 5 अप्रैल 2022 को हुए सीवान में हमले में दूसरे व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग घायल हुए थे। लेकिन गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के तुरकहां पुल के पास बीते 12

फरवरी को हुए हमले में एआइएमआइएम के प्रदेश सचिव अब्दुल सलाम उर्फ असलम मुखिया की हत्या कर दी गयी थी। बता दें कि गोपालगंज पुलिस ने इस हत्याकांड में चौराव पंचायत के मुखिया प्रवेज आलम उर्फ छोटे मुखिया समेत सात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वारदात के बाद से ही शूटरों तक हथियार सप्लाई करने वाला गोपालगंज के तकिया बनकट निवासी मोहम्मद फैसल उर्फ तौफिक और लाइनर मीरगंज थाने के साहेबचक निवासी दीपक उपाध्याय फरार चल रहा था और लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। एसपी स्वर्ण प्रभात ने हत्याकांड खुलासा करते हुए बताया कि नगर थाने के तकिया बनकट निवासी मोहम्मद फैसल उर्फ तौफीक ने सीवान के ह्यखान ब्रदर्सह्ण पर हमला कर सुर्खियों में आया था। उसके बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के बड़े नेता अब्दुल सलाम उर्फ असलम मुखिया की हत्या के लिए हथियार सप्लाई की। दीपक पर आधा दर्जन अपराधिक इतिहास दर्ज है, जबकि फैसल उर्फ तौफिक पर सीवान व गोपालगंज में अपराध का बड़ा मामला दर्ज है। पुलिस अभी भी हत्याकांड में शूटर की तलाश में छापेमारी कर रही है। बहरहाल, अब सवाल है कि पुलिस और सेना के पास उपलब्ध रहनेवाला कर्बाइन और ऑटोमेटिक रायफल इन अपराधियों तक कैसे पहुंचा। पुलिस आशंका जता रही है कि सीवान में किसी सप्लाई से हथियार गोपालगंज तक पहुंचा।

लक्ष्मीसागर में बंद घर से लाखों की संपत्ति चोरी

दरभंगा। सदर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीसागर नानक गैस गोदाम के पीछे एक बंद घर का ताला तोड़कर लाखों के सोने-चांदी के आभूषण एवं 42 हजार नकद की चोरी कर ली गयी। घटना मधुबनी जिले के फुलपरास निवासी दीपक सिंह के किराए के घर में हुई। वह ललन ठाकुर के मकान में किराए पर रहते हैं। दीपक गत 23 मार्च को सपरिवार घर चले गए थे। देर रात लौटने पर उन्हें घर में चोरी होने का पता चला। चोरों ने घर के पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश किया था। दो कमरों का ताला टूटा हुआ था। कमरे के अंदर बैग, बक्सा, दीवान आदि सभी सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। सामान की जांच-पड़ताल करने पर घर से 42 हजार नगद, सोने का एक झुमका, दो कान की बाली, तीन अंगूठी, चांदी की दो पायल व छह बिछिया नहीं थी।

रामनगर में झाड़-फूंक से मना करने पर मारपीट, 12 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

रामनगर, अमृतवर्षा सं.। पश्चिमी चंपारण के रामनगर थाना क्षेत्र के धनरपा गांव के सरेह में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई है। जिसमें एक पक्ष से मटियरिया थाना क्षेत्र के सेरहवा मस्जिदवा गांव निवासी भूलन मांझी की पत्नी बबीता देवी ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में धनरपा और सबुनी गांव निवासी वीरेंद्र यादव, विपुल यादव, विशाल यादव, अवधेश यादव, सिपाही यादव, संपत यादव, दिनेश यादव, कृष्णा साह, उमेश यादव को नामजद किया है। वही 10 अन्य अज्ञात लोगों पर भी प्राथमिकी दर्ज कराई है। बबीता देवी ने बताया कि बीते गुरुवार को धनरपा सरेह स्थित देवी स्थान पर पूजा करने गई थी। तभी एक राय होकर साजिश के तहत सभी आरोपी पहुंच गए। जाति सूचक गाली दी और मारपीट की। इस दौरान मेरे साथ नाबालिग छोटी-छोटी बच्चियां थी। जिनके साथ मारपीट की गई। इधर, दूसरे पक्ष से संपत राय ने नगर के राम जानकी चौक निवासी सुनील सोनी, पंकज सोनी, बिट्टू सोनी के साथ 10-12 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। संपत राय ने बताया कि सरेह में गेहूं की फसल देखने गया था। तभी देखा कि एक फूस की झोपड़ी में आरोपी भोले भाले लोगों का झाड़ फूंक कर रहे हैं। जब पूछताछ किया तो, गाली गलौज मारपीट की। अपर थानाध्यक्ष सतीश कुमार ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दोनों पक्षों से वीरेंद्र, विकास, संपत और कृष्णा को गिरफ्तार किया गया है।

चैती छठः गया में नहाय-खाय के साथ आस्था का महापर्व शुरू

गया, अमृतवर्षा सं.। आस्था का महापर्व चार दिवसीय चैती छठ पूजा नहाय-खाय के साथ शुक्रवार से शुरू हो गया। इस अनुष्ठान के पहले दिन दर्जनों की संख्या में छठव्रती व श्रद्धालु फल्गु नदी व अपने घरों के नजदीकी तालाबों में स्नान व भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर चार दिवसीय छठ व्रत की शुरूआत की। स्नान व पूजन कर छठव्रती व श्रद्धालु नहाय-खाय का प्रसाद बनाने के लिए तालाबों अथवा फल्गु नदी से अपने साथ जल भी गये। वहीं जो छठव्रती व श्रद्धालु फल्गु नदी व तालाबों तक नहीं आ सके, उन लोगों ने अपने घरों में ही स्नान व पूजन कर नहाय-खाय व्रत का पालन किया। इसके बाद नहाय-खाय का प्रसाद बनाकर परिवारों के साथ-साथ रिश्तेदारों, सगे-संबंधियों व पड़ोसियों को भी आमंत्रित कर उन्हें प्रसाद खिलाया। छठ पूजा को लेकर शुक्रवार को भी बाजार में पूरे दिन चहल-पहल बढ़ी रही। शुक्रवार को भी काफी लोगों ने सूप, दउरा, पूजन सामग्री सहित छठ पूजा से जुड़े अन्य सामानों की

जरूरत के अनुसार खुलकर खरीदारी की। केपी रोड, चौक, धामी टोला, जीबी रोड सहित अन्य प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्रों में स्थायी दुकानों के अलावा सूप, दउरा, पूजन सामग्री व छठ पूजा से जुड़े अन्य सामान की सड़क किनारे भी दर्जनों अस्थायी दुकानें कारोबारियों द्वारा लगायी गयी हैं। इन दुकानों से भी छठव्रती व उनके परिजन जरूरत के सामानों की खरीदारी कर रहे हैं। मालूम हो कि चार दिवसीय इस अनुष्ठान के दूसरे दिन 13 अप्रैल को को लोहंडा, 14 अप्रैल को को डूबते भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना, अर्घ दान व 15 अप्रैल को उगते भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना, अर्घ दान व पारण कर कर छठव्रती जल व शर्बत से अपना उपवास तोड़ेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर मीसा भारती के बयान पर भड़के चिराग पासवान, कहा

पीएम के खिलाफ बोलने वाले का परिवार खुद भ्रष्टाचार से घिरा है

गया, अमृतवर्षा सं.। गया संसदीय क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान चाकंद पहुंचे। इस मौके पर राजद नेता मीसा भारती के पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान पर चिराग पासवान ने जमकर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि पीएम के लिए ये कैसी भाषा है, इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर आप देश और दुनिया को क्या संदेश देना चाहते हैं । ऐसी भाषा का प्रयोग वे लोग कर रहे हैं जो खुद भ्रष्टाचार के आरोपी हैं, उनके परिवार के कई सदस्यों पर भ्रष्टाचार का आरोप है। ऐसी भाषा सिर्फ बदले की भावना को दशार्ती है।

डबल इंजन की सरकार से विकास को मिलेगी गतिः सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि केंद्र और राज्य में भी एनडीए की सरकार है। हम लोगों को

इन बातों को मद्देनजर रखने की जरूरत है । उत्तर प्रदेश में बनी डबल इंजन की सरकार को देखिए कैसे वह डबल इंजन की सरकार उत्तर प्रदेश को विकास की तीव्र गति देने का कार्य कर रही है। जरूरी है हम लोगों को भी ऐसे नेताओं को चुनकर भारत की संसद में भेजें जो आगे वाले दिनों में इस डबल इंजन की सरकार को गति देने का काम करें।

महत्वपूर्ण योगदान वाले नेता को भेजें संसदः चिराग ने कहा कि इस बात में किसी को कोई संदेह नहीं है कि 4 जून को जब नतीजे आएंगे तो नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि उसके बाद जब बिहार में विधानसभा चुनाव होंगे तो यहां भी हमारी सरकार बनेगी। इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि आने वाले 5 वर्षों में यह डबल इंजन सरकार बिहार और केंद्र का नेतृत्व करेगी। ऐसे में हमारा मुख्यधारा से जुड़े रहना जरूरी है। हमारे क्षेत्र के विकास के लिए यह जरूरी है कि हम अपने राज्य के विकास के लिए ऐसे नेताओं को चुनकर भारत की संसद में भेजें जो महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए नरेंद्र मोदी का पीएम बनना जरूरीः चिराग पासवान ने कहा आज नरेंद्र मोदी जी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है। आज कौन से पायदान पर देश की अर्थव्यवस्था है, आज हम लोग पांचवें नंबर पर है अगले 5 सालों में हम लोग तीसरे नंबर पर होंगे। विकास होता है और जब क्षेत्र का आर्थिक विकास होता है हर गरीब व्यक्ति के हाथ में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होती है। इससे हम सब गरीबी रेखा से बाहर निकलने का काम करते हैं। यह सोच हमारे प्रधानमंत्री जी की है। हमारे गठबंधन के हर एक साथी की यह सोच है कि किस तरीके से बिहार को विकसित राज्य बनाया जा सके। अधिकांश लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला जा सके। बिहार को बिहारी होने पर गर्व करने की बात है अभिमान करने की बात है। पासवान ने कहा कि कई लोग हैं यहां पर जो भ्रमित करने का प्रयास करेंगे। बिना नाम लिए गया के राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत पर कहा कि किस परिस्थिति में कैसे उनके परिवार के साथ दुर्घटना घटी थी परिवार के सदस्य के साथ किस तरीके से हत्या हुई थी। वह दौर क्या था। बिहार के जिलों को विकास के लिए नहीं, यहां पर रोजगार शिक्षा के लिए नहीं सिर्फ नक्सलवाद के लिए जाना जाता था।

पटना में मुरादाबाद का बर्तन कारोबारी लापता

पटना। गांधी मैदान थाना क्षेत्र से मुरादाबाद का बर्तन कारोबारी 5 अप्रैल से लापता है। जयंतीपुर जन्नतनगर के रहने वाले मोहम्मद आलम एक्जीविशन रोड स्थिति निजी गेस्ट हाउस में ठहरे थे। मुरादाबाद और मुजफ्फरपुर दोनों जगह इनके परिवार के लोग रहते हैं। पटना में कारोबारियों से तगादा करने पहुंचे थे, लेकिन बीते 5 अप्रैल को शाम 6 बजे के बाद से उनका मोबाइल बंद है। लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद मोहम्मद आलम के भाई और बेटा गांधी मैदान थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दी है।

अपडेट न्यूज

खरीदारी कर ई-रिक्शा से लौट रहे दो को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत

पटना। खुसरुपुर थाना क्षेत्र के मौसिमपुर केलवरिया गांव के समीप शुक्रवार को फतुहा बख्तियारपुर स्टेट हाईवे पर बेलगाम ईंट लदे ट्रैक्टर की टक्कर से ई-रिक्शा पर सवार एक अधेड़ की मौत हो गई। जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। मृतक की पहचान सालिमपुर थाना क्षेत्र के बिहटा अलीपुर निवासी 52 वर्षीय रमेश मिस्त्री के रूप में की गई है। वहीं घायल की पहचान उसी गांव के रहने वाले विनोद कुमार यादव के रूप में की गई है। बताया जाता है कि रमेश मिस्त्री अपने पड़ोसी विनोद कुमार यादव के साथ खुसरुपुर बाजार से खरीदारी कर ई रिक्शा से अपने घर लौट रहा था। केलवरिया गांव के समीप दूसरे ओर से बेलगाम ईंट लदे ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा सवार रमेश मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार गया। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को जब्त कर लिया है। वहीं शव को नालंदा मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया।

नौबतपुर में बदमाशों ने मुर्गी फार्म में लगाई आग, 5 लाख का सामान जलकर राख

पटना। पटना के चिरौरा निवासी महेश सिंह के दो बड़े मुर्गी फार्म में बुधवार रात अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। जिसे जो साधन मिला उसे लेकर आग बुझाने के लिए ग्रामीण उस ओर दौड़ पड़े। लेकिन मुर्गी फार्म की बगल में कोई मोटर, बोरिंग नहीं होने से ग्रामीण चाह कर भी कुछ नहीं कर पाए। सूचना पाते ही डायल 112 की पुलिस और कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाया। लेकिन, तब तक दोनों मुर्गी फार्म जलकर राख हो गए। हालांकि फार्म में मुर्गी, अंडे और चूजे नहीं थे। दाना, मोटर, कर्कट, फीडर, तार, बल्ब, पाइप लाइन, टंकी समेत वहां रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। महेश सिंह ने बताया कि फार्म की बगल के खेत में लकड़ी, माचिस आदि रखा हुआ था। इससे प्रतीत होता है कि किसी ने जान बूझकर आग लगाई है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें किसी से दुश्मनी नहीं है। आगजनी में करीब 5 लाख रुपए की क्षति हुई है। इसे लेकर उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

उदय हत्याकांड में गर्दनीबाग से महिला गिरफ्तार

पटना। बुद्धा कॉलोनी में बीते बुधवार को हुये उदय राय हत्याकांड में पुलिस ने कोर्ट में निजी मुंशी का काम करने वाली एक महिला नेहा चौधरी को गिरफ्तार किया है। उसे गर्दनीबाग स्थित उसके घर से पकड़ा गया। नेहा पर उदय के परिजनों ने नामजद केस दर्ज करवाया था। डीएसपी विधि व्यवस्था कृष्णा मुरारी प्रसाद के मुताबिक नेहा से पूछताछ की गई है। उसके मोबाइल और व्हाट्सएप चैट में कई संदिग्ध नंबर मिले हैं। हालांकि हत्याकांड में अपनी संलिप्तता को लेकर उसने कोई ठोस जानकारी पुलिस को नहीं दी। हर बार वह खुद को निर्दोष बता रही थी। उसने पुलिस को बताया कि अजय राय की कई लोगों से दुश्मनी थी। उसका भाई उदय ही अजय का सारा काम देखता था। इस कारण विरोधियों ने उसे मौत के घाट उतार दिया। जबकि पुलिस की मानें तो नेहा और अजय के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस कारण उसने इस घटना को अंजाम दिलवाया। महिला की गिरफ्तारी के बाद पुलिस रंधीर की तलाश में छापेमारी कर रही है। बुद्धा कॉलोनी का रहने वाला रंधीर पूर्व में भी जेल जा चुका है। उसका भी अजय और उदय के साथ विवाद चल रहा था। पुलिस टीम उदय को गोली मारने वाले शूटरों की पहचान करने में जुटी है। शूटरों के पकड़ाते ही घटना के मास्टरमाइंड के नाम का भी खुलासा हो जाएगा। जिस जगह उदय को गोली मारी गई, उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। सूत्रों की मानें शूटरों की तस्वीर पुलिस के हाथ लगी है।

वीआईपी ने तय के किए प्रत्याशियों के नाम, गोपालगंज से मनोज राम और झंझारपुर से गुलाब यादव लड़ेंगे चुनाव

पटना। विकासशील इंसान पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपने उम्मीदवारों का नाम तय करना शुरू कर दिया है। इस बार के संसदीय चुनाव में राजद ने मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को बिहार में तीन लोकसभा की सीटे दी हैं। इसमें गोपालगंज, झंझारपुर और मोतिहारी से वीआईपी चुनाव लड़ेगी। मुकेश सहनी ने शुक्रवार को गोपालगंज को लेकर बड़ा फैसला किया। सूत्रों के अनुसार गोपालगंज सीट से मनोज राम उम्मीदवार होंगे। मनोज राम पहले भी संसदीय चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने पिछला लोकसभा का चुनाव सासाराम से लड़ा था लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। मूल रूप से सासाराम के रहने वाले मनोज राम पहले मायावती की पार्टी बसपा में थे लेकिन पिछले साल ही उन्होंने पटना में आयोजित के कार्यक्रम में वीआईपी की सदस्यता ग्रहण की थी। बसपा के हाथी से उतरकर मुकेश सहनी की नाव पर चढ़े मनोज राम अब गोपालगंज से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। वे मौजूदा समय में वीआईपी में उपाध्यक्ष पद पर हैं। गोपालगंज में जदयू सांसद डॉ अलोक कुमार सुमन को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से मौका दिया है। जदयू के अलोक सुमन के मुकाबले अब मनोज राम महागठबंधन की ओर से गोपालगंज में मुकाबला करेंगे। पिछले लम्बे अरसे से सियासत में सक्रिय मनोज राम के परिवार के अन्य सदस्य भी राजनीति और चुनाव में सक्रिय हैं। वे सासाराम जिला परिषद अध्यक्ष पूनम भारती के भैसुर हैं।

पीएम मोदी की गारंटी पर लालू यादव का तंज, कहा

ऐपेटाइजर में 10 साल लग गए, तो मेन कोर्स में 100 साल लग जाएंगे

पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने लोकसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर तंज कसा है। पीएम मोदी ने एक चुनावी रैली में अपने 10 साल के कार्यकाल को ऐपेटाइजर यानी स्टार्टर बताया और कहा कि अभी मेन कोर्स आना बाकी है। इस पर लालू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि ऐपेटाइजर आते-आते 10 साल लग गए, ऐसे में मेन कोर्स लाने में तो प्रधानमंत्री 100 साल लगा देंगे। बंदा इंतजार करते-करते मर जाएगा। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी के ऐपेटाइजर में ही गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है, तो पूरी थाली में क्या होगा। उन्होंने लोगों से सोच समझकर लोकसभा चुनाव में वोट करने की अपील की। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले एक चुनावी जनसभा में कहा था कि उन्होंने बीते 10 सालों में जो काम किया वो ऐपेटाइजर है।

अभी मेन कोर्स की थाली आना बाकी है। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 में आरजेडी की ओर से प्रचार की कमान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के हाथ में है। तेजस्वी बिहार की अलग-अलग सीटों पर रैलियां करके मोदी सरकार को घेर रहे हैं। लालू ने स्वास्थ्य कारणों के चलते प्रचार रैलियों से दूरी बनाई हुई है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वह बीजेपी पर निशाना साधने से नहीं चूकते हैं।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी जहां मोदी की गारंटी के दम पर लोगों से वोट मांग रही है। वहीं, आरजेडी क्षेत्रीय मुद्दों को उठाकर चुनावी मैदान में है। तेजस्वी यादव अपनी 17 महीने की महागठबंधन सरकार के कार्यकाल के कामों का बखान करके रोजगार के मुद्दे पर एनडीए को घेर रहे हैं। हालांकि, चुनाव में जनता पर किसका पलड़ा भारी होता है, यह 4 जून को लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

40 में से 39 सांसद इनके, फिर भी बिहार को विशेष पैकेज नहीं मिला: तेजस्वी

पटना, अमृतवर्षा सं.

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए वोटिंग 19 अप्रैल को है। बिहार की चार सीटों नवादा, जमुई, औरंगाबाद और गया में मतदान होगा। इसी बीच बिहार में चुनाव प्रचार को लेकर एक बार फिर पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार की एनडीए पर जमकर हमला किया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कहा कि बिहार ने मोदी जी को 40 में से 39 सांसद दिए। केंद्र में 10 साल से बीजेपी की सरकार है। 17 साल से बिहार में सरकार, केंद्र में मंत्री हैं। दिल्ली में इनका शासन, पटना में इनका शासन प्रशासन। सीबीआई, ईडी, आईटी के साथ बड़े पूंजीपति भी इनके साथ हैं।

फिर भी बिहार के युवाओं को नौकरी, विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज नहीं मिला। बिहार में इंडस्ट्री लगाने के लिए और क्या चाहिए? तेजस्वी ने आगे कहा कि इतने सांसद और डबल इंजन सरकार के बावजूद भी आप बिहार को कुछ ना देकर उल्टा बिहारियों को ही भला-बुरा कहने बिहार आते हैं। तो अबकी बार बिहार के लोग आपको कड़ा सबक सिखाएंगे। इधर, तेजस्वी के बयान बीजेपी और जदयू ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव ने कभी विकास की बात नहीं की।

तेजस्वी यादव के डीएनए में ही जंगलराज है। गिरिराज ने पूछा की 17 महीने की सरकार में तेजस्वी के पास 5 विभाग थी। उनमें से कितने विभाग में कितने लोगों को नौकरी दी। वहीं, जदयू ने मां-बाप के राज का हिसाब मांगा है। तेजस्वी यादव अपनी चुनावी रैलियों में लगातार बीजेपी पर हमलावर हैं। फिर चाहे वो रोजगार का मुद्दा हो, परिवारवाद का मुद्दा हो, या फिर बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस का मुद्दा हो। इससे पहले मीसा भारती ने भी बीजेपी पर तीखा हमला बोला था। और कहा था कि अगर इंडिया अलायंस की सरकार आई तो पीएम मोदी समेत बहुत सारे नेता जेल में होंगे। वहीं बिहार में एनडीए के चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी खुद पीएम मोदी ने संभाल रखी है। बीते दिन तीन दिनों में उन्होने दो बार बिहार का दौरा किया। और अब फिर से 16 अप्रैल को गया और पूर्णिया में चुनावी रैली करेंगे।

विपक्षी दलों की कार्यशैली से शर्मसार हो रहा है बिहार: उपमुख्यमंत्री

पटना, अमृतवर्षा सं.। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजद पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के कारनामों से लोकतंत्र और बिहार रोज शर्मशार हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस के लोग बिहार की जनता को जमींदारी की वस्तु समझ रहे हैं। यही कारण है कि सत्ता में मौका मिलने पर इन्होंने बिहार की भलाई और विकास का कोई काम नहीं किया। चारा घोटाला से लेकर जमीन के बदले नौकरी तक का इनका सफर सब जानते हैं। बिहार की जनता इनकी मानसिकता को समझ चुकी है। 2024 में एनडीए को 40 की 40 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता होने के बावजूद लालू प्रसाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हुए हैं और टिकट बांट रहे हैं। पिता से एक कदम आगे बढ़कर बेटा वीडियो जारी कर

राज्य के लोगों को चिढ़ा रहा है। इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। राज्य की जनता वोट की चोट से इनसे बदला लेगी। कहा कि राजद और विपक्षी गठबंधन के इनके साथियों के लिए चुनाव प्रचार पिकनिक मनाने का साधन बन गया है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। शिक्षकों की नौकरी वाली संचिका पर इनके मंत्री ने हस्ताक्षर नहीं किया था। अपर मुख्य सचिव शिक्षा द्वारा मुख्यमंत्री को फाइल भेजी गई। पता नहीं कैसे ये श्रेय ले रहे हैं।

राजद शासन में सूबे की हालत पर जवाब दें तेजस्वी: प्रभाकर

पटना। भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता के शासन में बिहार की हालत पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजद शासनकाल में बिहार के सभी निगमों के करीब 35 हजार कर्मचारियों का 9 साल तक वेतन बंद रहा। इससे करीब 2.45 लाख लोगों के सामने भुखमरी की स्थिति आ गई थी, लेकिन सरकार को चिंता नहीं थी। कहा कि तेजस्वी यादव को बताना चाहिए कि कर्मचारी आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर कर दिए गए थे। उस दौर में सरकार अपनी विश्वसनीयता खो चुकी थी। उद्योग के रूप में अपहरण उद्योग चल रहा था।

ट्रक से अनलोड करने के दौरान हुआ हादसा

ग्रेनाइट से दबकर दो मजदूरों की मौत

पटना, अमृतवर्षा सं.। राजधानी पटना में पत्थर के नीचे दब जाने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के अटल पथ पर राजीव नगर फ्लाई ओवर के पास घटी की है। आईटी विभाग के एक भवन के निर्माण में दोनों काम करते थे। मरने वालों में एक लेबर सप्लायर ठेकेदार तो दूसरा मजदूर था। उनकी पहचान 30 वर्षीय गौतम यादव(ठेकेदार) और 20 वर्षीय दिलखुश कुमार(लेबर) के रूप में की गयी है। हादसे में कई अन्य मजदूरों के घायल हो जाने की भी सूचना है जिन्हें अस्पताल भेजा गया है। मौके पर पुलिस पहुंच गई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए

पुलिस ने पीएमसीएच भेज दिया है। मरने वाले दोनों लोग खगड़िया के निवासी थे और पटना में रहकर काम करते थे। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। हादसे की वजह से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया है। जानकारी के मुताबिक गौतम एक लेबर सप्लायर ठेकेदार है जो बड़े कॉन्ट्रैक्टर को मजदूर उपलब्ध करता था। भवन निर्माण में उपयोग के लिए ट्रक से राजस्थान से मार्बल पत्थर मंगाए गए थे। गौतम अपने लेबर की मदद से मार्बल को ट्रक से उतरवा रहा था। इसी के दौरान एक मार्बल ट्रक के ढाला से नीचे उतारते समय फिसल गया। गौतम और दिलखुश कुमार ने उसे संभालने की कोशिश की। उनके साथ साथी मजदूर भी लग गए। लेकिन मार्बल शीट को नहीं संभाल सके। गौतम और दिलखुश पत्थर को छोड़कर भाग भी नहीं सके और उसी के नीचे दब गए। दोनों को पत्थर के नीचे दबा देख घटना स्थल पर हड़कंप मच गया। आस पास के लोग जुटकर उन्हें निकालने की कोशिश में जुट गए।

पीएम को धमकी का जवाब जनता देगी: नित्यानंद

पटना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा सांसद मीसा भारती के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि जिस तरह देश के प्रधानमंत्री और गरीबों के मसीहा नरेंद्र मोदी को राजद द्वारा जेल में डालने की धमकी दी गई है, वह घोर आपत्तिजनक है। देश की 140 करोड़ जनता विपक्षी गठबंधन के घमंड का लोकतांत्रिक तरीके से बैलेट के जरिए लोकसभा चुनाव में जवाब देगी। बिहार में सभी 40 सीट पर राष्ट्रीय जनता दल को इसका परिणाम दिख जाएगा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पुत्री मीसा भारती देश के प्रधानमंत्री, गरीबों के मसीहा, 140 करोड़ लोगों की जनभावनाओं के प्रतीक पीएम नरेंद्र मोदी को जेल में डालने की धमकी दे रही हैं। इसी घमंड और अहंकार की वजह से विपक्षी दलों के महागठबंधन का नाम घमंडिया गठबंधन पड़ा है। देश की जनता खासतौर पर बिहार की जनता इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में देने जा रही है और इनका सूपड़ा साफ कर ही जनता दम लेगी।

मेरे बयान को गलत रूप से पेश किया गया, हमने दोषियों पर कार्रवाई की बात कही: मीसा

पटना, अमृतवर्षा सं.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में लालू यादव की बेटी और राजद नेत्री मीसा भारती के बयान पर राजनीतिक गरमा गई है। बीजेपी के साथ एनडीए के अन्य दलों के नेता मीसा भारती पर बड़बोलेपन का आरोप लगा रहे हैं। एक के बाद एक नेताओं के बयान सामने आ रहे हैं। इसके बाद अब एक बार फिर से इस मामले में मीसा भारती ने सफाई दिया है। उन्होंने कहा है कि मैं पीएम मोदी को जेल भेजने की बात नहीं कह रही बल्कि मेरी पूरी बातों को सुनिए उसके बाद कुछ बोलिए। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने निकली मीसा भारती ने जब यह सवाल किया गया कि आप पीएम मोदी को जेल भेजने की बात कह रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मैं जब बयान

दिया है आप लोगों ने क्या उसे पूरा सुना है। किस संदर्भ में मैंने पूरी बात कही है। प्रधानमंत्री जी को लेकर मैं यही कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणी की है इलेक्टोरल बांड के ऊपर मैंने उसे पर कहा था कि यदि हमारी सरकार आई तो फिर इसकी जांच करवाई जाएगी और जोड़ लोग इसमें दोषी होंगे उनको जेल भेजा जाएगा। मीसा भारती ने कहा कि भाजपा एनडीए के लोग हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह लोग ईडी,सीबीआई, इनकम टैक्स से विपक्ष के नेताओं के घर रेड डलवा कर उनको जेल भेज रहे हैं। तो यही बात तो मैं कह रहा हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के पास कोई मुद्दा है ही नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी महंगाई बेरोजगारी पर बात कर रहे हैं क्या? मेरे बयानों को तोड़कर पेश किया गया है मेरे बातों को पूरा सुनना चाहिए था। लेकिन यह जनता सब जानती है और जनता के बीच यह बातें नहीं चलेगी। मैंने इलेक्ट्रोल बॉन्ड पर टिप्पणी किया था और उसे पर मैंने अपनी बातें कही थी। उधर, आज गया और नवादा में नीतीश कुमार के रोड शो को लेकर कहा कि उनके लिए मैं क्या कहूं वह हमारे अभिभावक हैं हमसे बड़े हैं। मैं बस यही कहना चाहता हूं कि यह यात्रा लगता है चार लाख पार या 4000 पार करने निकली है।

तेजस्वी लहर में एनडीए का सूपड़ा साफ होगा: अरूण यादव

पटना, अमृतवर्षा सं.। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 वर्षों तक जुमलेबाजी के सिवाय कुछ नही किया। विकास की ढोल-नगाड़े पीटने वाली भाजपा और एनडीए बताए कि 2014 के पहले देश पर कर्ज 55 लाख करोड़ था, विगत 10 वर्षों के नरेंद्र मोदी के शासनकाल में बढ़कर 205 लाख करोड़ देश पर कर्ज कैसे हो गया? आज देश के प्रत्येक व्यक्ति पर लगभग डेढ़ लाख का कर्ज है। यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में आम जनता को बेरोजगारी, महंगाई, भुखमरी और गरीबी से निजात दिलाने के बदले बेरोजगारी, महंगाई, भुखमरी और गरीबी में डुबोने का काम किया है। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार आज देश में कुल बेरोजगारों में 83 प्रतिशत युवा है। यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार पूरी तरह हर मोर्चों पर विफल साबित हुआ है। इसलिए एनडीए के नेता सरकार की उपलब्धियों को बताने के बदले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी और उनके परिजनों के विरुद्ध अनर्गल प्रलाप कर जनसरोकार से जुड़े मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। यादव ने कहा एनडीए कुछ भी कर ले इस बार दाल गलने वाली नहीं है। पूरे बिहार तेजस्वीमय है, तेजस्वी लहर में एनडीए का सूपड़ा साफ होगा और इंडिया गठबंधन समर्थित उम्मीदवारों का बिहार के चालीसों सीट पर ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित है।

पटना में सिलेंडर ब्लास्ट से निजी हॉस्टल में लगी आग, मची अफरा तफरी

पटना, अमृतवर्षा सं.। राजधानी पटना समेत पूरे बिहार में इस समय गर्मी ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया है। गर्मी के कारण सुबह 7:00 के बाद ही लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। सूरज की तपिश ने लोगों को परेशान कर रखा है। वही इस भीषण गर्मी में बिहार के अलग-अलग जिलों से आग लगने की खबरें भी सामने आती रहती है। इसी कड़ी में शुक्रवार को राजधानी पटना में एक बड़ा हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि पटना के एक निजी हॉस्टल में अगलगी की घटना सामने आई। वही अगलगी के क्रम में दो सिलेंडर भी ब्लास्ट हुआ है। वहीं इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया है। जानकारी के अनुसार, पूरा मामला पटना के एसके पूरी थाना क्षेत्र के बोरिंग रोड स्थित श्रीकृष्णा अपार्टमेंट के पीछे लाल बहादुर शास्त्री मार्ग के हॉस्टल का है। जहां अगलगी की घटना शुक्रवार को हुआ है। अगलगी की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा है। अगलगी की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंचे आग बुझाने के प्रयास में जुटी रही। बताया जा रहा है कि अगलगी के दौरान हॉस्टल से दो बार धमाके की भी आवाज आई है। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से हॉस्टल में आग लगी है। मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं स्थानीय लोगों की मानें तो अगलगी के दौरान हॉस्टल के अंदर से धमाके की आवाज आई जिससे आग ने और भी भयावह रूप ले लिया है। आग की लपटे ऊपर आसमान में उड़ती हुई दिखाई दी। जिसके कारण घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। वही काफी कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि इस घटना से किसी व्यक्ति की हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है लेकिन इस घटना के बाद हॉस्टल में काफी बड़ा नुकसान हुआ है जिसका आकलन किया जा रहा है हालांकि गर्मी के मौसम में विभाग भी हॉस्टल और शैक्षणिक संस्थाओं को यह निर्देश देता है कि वह अपने संस्थान में एक बार फायर ऑडिट जरूर करवा ले लेकिन लापरवाही के कारण गर्मी के मौसम में अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं।

एक माह बाद भी 5.5 किलो सोने की बरामदगी नहीं

पटना। कोतवाली थाना इलाके के डाकबंगला चौराहा के समीप दिल्ली के सोना व्यापारी अंसार अली मुल्ला से लूटे गये पांच किलो सोना को अब तक पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। सोना व्यापारी हर रोज कोतवाली थाना और पुलिस के वरीय अधिकारियों के पास चक्कर लगा रहे हैं। हालांकि पुलिस ने इस कांड को अंजाम के आरोप में एक आरोपित को गिरफ्तार किया था। जबकि दूसरे ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। लेकिन बरामदगी के नाम पर कोतवाली पुलिस के हाथ खाली हैं। कोतवाली थानेदार के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले आरोपित को तीन दिनों की रिमांड पर लेने के लिये पुलिस ने कोर्ट में आवेदन दिया है। रिमांड की अनुमति मिलने के बाद उससे पूछताछ की जायेगी। इस घटना में शामिल कई आरोपितों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद है। पुलिस का दावा है कि सभी की पहचान कर ली गई है।

एनडीए प्रत्याशी शांभवी को खानपुर की जनता ने दिया जीत का आशीर्वाद, आशीर्वाद यात्रा में उमड़ी भीड़

पटना, अमृतवर्षा सं.

समस्तीपुर लोकसभा के लिए एनडीए की ओर से घोषित लोजपा (रा) की प्रत्याशी शाम्भवी ने शुक्रवार को खानपुर प्रखण्ड का दौरा कर जनता-जनार्दन से आशीर्वाद लिया। जन आशीर्वाद यात्रा की शुरूआत खानपुर प्रखण्ड के रैनी गॉव से शुरू हुई। यहां बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ताओं ने फूल-माला व ढ़ोल-नगारो के साथ शाम्भवी जी का स्वागत किया। एनडीए के सैकड़ों नेताओं व कार्यकताओं के साथ शाम्भवी ने खानपुर प्रखण्ड के इलमासनगर चौक, अमसौर, हसनपुर, फतेहपुर, सादीपुर, गोविन्दपुर, टेंगराहा, करूआ चौक, खानपुर बाजार, हांसोपुर, बरहगामा, खजुआता, सिरोपट्टी, चकौटी में जन आशीर्वाद यात्रा के क्रम में सघन जनसंपर्क अभियान कर जनता से आशीर्वाद ली और अपने पक्ष में 13 मई को मतदान करने की अपील की।

इस दौरान जनता का अथाह प्रेम, आशीर्वाद व समर्थन मिल रहा हैं। जन आशीर्वाद यात्रा के क्रम में मीडिया से बातचीत करते हुए शाम्भवी ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से समस्तीपुर लोकसभा के सैकड़ों गॉवों का दौरा की हूँ। हर जगह जनता के द्वारा जो प्यार, समर्थन, सम्मान और आशीर्वाद मिल रहा हैं उसके लिए मैं सदैव शुक्रगुजार रहूंगी। समस्तीपुर की जनता जिस तरह हम पर विश्वास जता रहीं हैं उसका हम कर्जदार हैं और चुनाव जीतने के बाद समस्तीपुर की सांसद नहीं बेटी के रूप में

सदैव जनता के सुख-दुख में शामिल रहूंगी। विकसित समस्तीपुर के सपने को साकार करना ही एकमात्र लक्ष्य हैं जो यहां की जनता के आशीर्वाद से संभव होगा। एनडीए को दिया एक-एक वोट समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र में बदलाव लाएगा विकास की गति को नया आयाम देगा और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 400 पार का लक्ष्य पुरा होगा व पुनः तीसरी बार मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

जन आशीर्वाद यात्रा में भाजपा एमएलसी श्री तरूण चौधरी, जदयू जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, जदयू खानपुर प्रखण्ड अध्यक्ष राजकुमार राय, भाजपा के मंडल अध्यक्ष अजय कुशवाहा, दीपक सहनी, लोजपा (रा) के प्रखण्ड अध्यक्ष पिंटू सिंह समेत बड़ी संख्या में एनडीए के नेता व कार्यकर्तागण मौजूद थें।

अमृतवर्षा संपादकीय

चुनावी घोषणाएं और अटल जी का संदेश

चुनावी रण में सम्मिलित सभी राजनीतिक वाणी वीर और युद्धवीर आजकल भारत की जनता से लोक लुभावन वायदे कर रहे हैं। हर ओर नई-नई घोषणाएं हो रही हैं। इन घोषणाओं को सुन-पढ़कर तो ऐसा लगता है कि जैसे हमारे देश के नेताओं के मन, मस्तिष्क में केवल भारत की जनता को सभी प्रकार के कष्टों, अभावों, असुविधाओं और विषमताओं से मुक्त कर देने का एक अनुपम सा उत्साह हिलोरे मार रहा है। यह भी हमें बताया जा रहा है कि हम विश्व के सर्वाधिक अमीर देश बन रहे हैं। पांचवें स्थान पर तो पहुंच ही गए हैं, अर्थव्यवस्था के आधार पर और तीसरे पायदान पर पहुंचने की तैयारी है। चुनावी घोषणाओं में एक फैशन बन गया है कि यह शाब्दिक चिंता युवा, महिलाओं तथा किसानों की चिंता विशेष रूप से की जा रही है। 18वीं लोकसभा में शिखरासीन होने की चाह में सबसे बड़ा दान, अनुदान महिलाओं को देने की बात कही जा रही है। कांग्रेस पार्टी तो गरीब महिलाओं को एक लाख रुपया प्रतिवर्ष देने की घोषणा कर रही है। पच्चीस गारंटियां भी दे दीं और भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री जी तो गारंटियों की गारंटी मोदी को ही कह रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि मोदी जी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में चल रही सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों में कई ऐसे काम किए हैं जो स्वतंत्रता के पश्चात से जनता तो चाहती थी, पर सरकारों द्वारा पूरे नहीं किए जा सके थे। धारा 370 को हटाना तो गौरीशंकर की चोटी पर चढ़ने की तरह कठिन माना जा रहा था। वह काम भी पूरा हो गया। श्रीराम मंदिर भी बना। तीन तलाक और हलाला के कलंक से भी मुक्ति महिलाओं को मिली, पर एक प्रश्न आज भी है जितने भी राजनीतिक दल और जिस-जिसने भी अपना घोषणा पत्र जारी किया उसमें मुफ्त देने की चर्चा तो बहुत हुई, इसलिए मुझे श्री अटल बिहारी वाजपेयी के ऐतिहासिक शब्द याद आते हैं। उन्होंने कहा था कि मुफ्तखोरी आम जनता को आलसी और निठ्ठला बना देती है। भारत सरकार को जो उपलब्ध करवाना चाहिए, शिक्षा, चिकित्सा व न्याय। अफसोस यह है कि आज तक ये तीनों ही नहीं मिल पाए और न ही किसी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी ने यह घोषणा की है कि हमारे देश में कोई भी व्यक्ति मनुष्य जन्म पाकर भारत जैसे महान देश का नागरिक होकर शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। आज आईआईटी, आईआईएम तो दूर, डाक्टर, इंजीनियर और वकील बनने के लिए गरीब के बच्चे के पास आर्थिक साधन नहीं। बहुत कम ऐसे भाग्यशाली हैं जो गरीबी से जूझते हुए मंजिल पा लेते हैं। लाखों रुपये प्रतिवर्ष खर्च करके राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना तो दूर की बात उसकी तैयारी के लिए भी साधन सभी के पास नहीं हैं। न्याय तो बिल्कुल दिवास्वप्न की तरह है। कभी ये राजनीतिक पार्टी के दमगजे मारने वाले नेताओं ने जेलों में जाकर देखा कि वहां कितने ही निर्दोष आरोपी या अपराधी तिल-तिल कर सड़, मर रहे हैं, जिनकी अपील की अर्जी कभी हाईकोर्ट तक नहीं पहुंच पाती। सुप्रीम कोर्ट तो बहुत दूर की बात है, जिस देश में सुप्रीम कोर्ट तक न्याय की गुहार लगाने के लिए केवल वही पहुंच सकते हैं जिनके असीम आर्थिक साधन और प्रभाव हो। वैसी ही चिकित्सा की बात है। बहुत थोड़े अस्पताल देश में ऐसे हैं जहां सरकार की सहृदयता व संवेदना के परिणामस्वरूप लोगों को मुफ्त इलाज मिल जाता। देश के अनेक युवक वैज्ञानिक बन रहे हैं।

डाकिया डाक लाया

"डाकिया डाक लाया, डाकिया डाक लाया, खुशी का पैगाम कहीं दर्दे नाम लाया।" यह बात तो अब बहुत पुरानी हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। अब पत्रों का लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ता, बल्कि मोबाइल पर पलभर में ही दुनिया के किसी कोने में बैठे हों बात हो जाती है। सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के इस दौर में भले ही अब लोग पोस्ट ऑफिस का इतना यूज नहीं करते हैं लेकिन पोस्ट ऑफिस की हमारे जीवन और यादों में एक खास जगह है और रहेगी। भले लोगों ने चिट्ठियां लिखना बंद कर दिया है लेकिन कई सरकारी और गैर सरकारी काम अभी इंडिया पोस्ट के माध्यम से ही किया जाता है। यहीं नहीं अब इंडिया पोस्ट ने बैंकिंग का काम भी शुरू कर दिया है। देश के लगभग हर इलाके में डाक सेवा देखने को मिल जाती है।

इसी कड़ी में इंडिया पोस्ट ने अपने ऐतिहासिक प्रयास के तहत दक्षिणी ध्रुव के पास बफीर्ले महाद्वीप अंटार्कटिका में अपना तीसरा पोस्ट ऑफिस खोला है। दरअसल भारत इस बफीर्ले, निर्जन इलाके अंटार्कटिका में स्थापित भारत के रिसर्च मिशन में महीनों तक 50-100 वैज्ञानिक काम करते हैं। अंटार्कटिका में भारत के रिसर्च स्टेशन का नाम 'भारती स्टेशन' है। इसकी शुरूआत वेब लिंक के जरिए महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के. के. शर्मा ने की। भारत ने अंटार्कटिका में दक्षिण गंगोत्री स्टेशन में अपना पहला पोस्ट ऑफिस खोला था। जबकि दूसरा पोस्ट ऑफिस मैत्री स्टेशन में 1990 में खुला था और अब 5 अप्रैल को तीसरा पोस्ट ऑफिस अंटार्कटिका में खोला गया है।

मनुष्य हमेशा पृथ्वी और अंतरिक्ष के बारे में जिज्ञासु रहा है। इसी जिज्ञासा के चलते मनुष्य चांद तक पहुंच चुका है और पूरा वर्ष बर्फ से ढके अंटार्कटिका में लगातार अनुसंधान कर रहा है। भारत ने अंटार्कटिका में तीन स्थायी अनुसंधान बेस स्टेशनों का निर्माण किया है। इनके नाम हैं दक्षिण गंगोत्री (1983), मैत्री (1988) और भारती (2012)। वर्तमान में मैत्री और भारती पूरी तरह से चालू हैं। जबकि दक्षिण गंगोत्री की हालत बेहद खराब है, यह अब महज सप्लाई स्टेशन बनकर रह गया है। गोवा में स्थित राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है। एनसीपीओआर संपूर्ण भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम का प्रबंधन करता है। दक्षिण गंगोत्री (1983): यह भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में अंटार्कटिका में पहला भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान बेस स्टेशन था। भारत में मैत्री के आसपास एक मीठे पानी की झील भी बनाई गई है जिसे प्रियदर्शिनी झील के नाम से जाना जाता है। भारती (2012): यह भारत का सबसे नया अनुसंधान केंद्र है। इसका निर्माण 2012 में कठोर मौसम में शोधकताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया गया था। भारती भारत की पहली प्रतिबद्ध अनुसंधान सुविधा है। भारती मैत्री से लगभग 3000 किमी पूर्व में स्थित है। अब वहां भारतीय अनुसंधान बेस मैत्री? द्वितीय के लिए जगह की पहचान कर ली गई है और इसकी स्थापना की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए प्रारंभिक स्थलाकृतिक सर्वेक्षण चल रहा है।

संस्थापक संपादकः स्व. पारसनाथ तिवारी
स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक रीता तिवारी, मुद्रक कुंज बिहारी के द्वारा आर डी प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., प्लॉट नं- सी 16-17 पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800013 से मुद्रित व B-14 जगत भवानी अपार्टमेंट, एसपी सिन्हा लेन, बोरिंग कैनाल रोड, पटना-1 से प्रकाशित
संपादक-बन बिहारी
दूरभाष - 9905463571, 8757425017, धनबाद
कार्यालयः मास्टर पाड़ा जे.सी. मल्लिक रोड, हीरापुर, धनबाद
दूरभाष - 2204991, दिल्ली कार्यालयः बी-49, जैन मंदिर गली, शकरपुर मेन मार्केट, दिल्ली-110092, फोन नं.- 011-22055208, आर.एन.आई नं. 44420/87
ईमेलः amritvarshanews2015@gmail.com

नाटोः मुख्य मकसद सदस्य देशों की सुरक्षा-स्वतंत्रता को सहेजना

अपनी स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के समक्ष यूरोप के कुछ देशों द्वारा गंभीर आलोचना और दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी आंदोलनों के प्रसार से निपटने की प्रमुख चुनौती है। इसलिए नाटो को 21वीं सदी में प्रासंगिक बने रहने के लिए सतर्क और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी आक्रामकता से निपटने के लिए इस संगठन में शामिल होने के अमेरिकी प्रस्ताव को भारत पहले ही ठुकरा चुका है, क्योंकि भारत ऐसी किसी भी परिस्थिति का सामना करने में खुद सक्षम है। इसलिए उसे नाटो की सहायता की जरूरत नहीं है। अगर भारत नाटो का हिस्सा बनता है, तो उसे अमेरिका को सैन्य अड्डा स्थापित करने की मंजूरी देनी होगी, जो अस्वीकार्य है। ऑस्ट्रेलिया, इस्राइल, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने सैन्य अड्डे स्थापित करने की अनुमति दे दी है, लेकिन भारत अपनी संप्रभुता का उल्लंघन करने और वैश्विक जगत में अपनी स्थिति को कमजोर करने की अनुमति नहीं दे सकता है। भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए रूस के साथ वर्षों पुराने भरोसेमंद रिश्तों को खराब नहीं करेगा, जिसकी अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ यूक्रेन युद्ध के बाद संघर्ष जैसी स्थिति है। दरअसल अमेरिका की संसदीय समिति ने सिफारिश की थी कि चीन से सीमाओं की रक्षा करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी आक्रामकता का सामना करने के लिए नाटो को मजबूत करना चाहिए। नाटो में 32 सदस्य देश हैं। इसके अलावा पांच देश-जापान, न्यूजीलैंड, इस्राइल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया भी इससे जुड़े हैं। इन सभी देशों को आपसी भरोसा और बेहतर सहयोग के लिए अपनी रक्षा क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाना चाहिए। दूसरा, नाटो की सैन्य क्षमता को अमेरिकी हथियार और औजार की तरह देखा जाता है, जिसका इस्तेमाल वह राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व जमाने के लिए करता है, भले ही उन देशों के ऊपर कोई सैन्य संकट न भी हो। दरअसल नाटो की स्थापना के इन 75 वर्षों में अमेरिकी सर्वोच्चता की धारणा को दूर करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इस दौरान नाटो ने दुनिया भर में करीब 200 सैन्य हस्तक्षेप

नाटो में 32 सदस्य देश हैं। इसके अलावा पांच देश-जापान, न्यूजीलैंड, इस्राइल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया भी इससे जुड़े हैं। इन सभी देशों को आपसी भरोसा और बेहतर सहयोग के लिए अपनी रक्षा क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाना चाहिए

किए हैं, जिससे उसकी विश्वसनीयता खतरे में है। इनमें से बीस ऐसे मामले रहे, जिनके परिणाम संदिग्ध रहे, जैसे अफगानिस्तान में आतंकवाद का मुकाबला, सीरिया में गैर-कानूनी हस्तक्षेप, इराक पर आक्रमण, यूगोस्लाविया पर बमबारी, लीबिया को बर्बाद करना और आईएसआईएस का निर्माण। तीसरा, नाटो के महासचिव लेंस स्टोलनबर्ग ने यूक्रेन को पांच वर्ष तक सैन्य सहायता देने के लिए 100 अरब डॉलर के सहायता पैकेज का प्रस्ताव रखा। आशंका है कि यदि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप जीतते हैं, तो वे इस सहायता को रोक सकते हैं, क्योंकि वह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अपने देश को इस तरह के संघर्षों से दूर रखना चाहते हैं। साथ ही उनको पुतिन समर्थक भी माना जाता है, जो नाटो को परेशान कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि उक्त प्रस्ताव को आगामी वॉशिंगटन बैठक में मंजूरी मिल जाएगी, ताकि यूक्रेन में रूस की आक्रामकता का मुकाबला

किया जा सके। विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि नाटो को अपने सहयोगियों को अपरंपरागत खतरों, जैसे आतंकी हमला, भ्रामक प्रचार अभियान, साइबर हमले, आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के जोखिमों, आदि से बचाना होगा, अन्यथा यह अपनी साख और प्रभाव खो देगा। दूसरा, नाटो को व्यापक रणनीति अपनानी होगी और यह तभी होगा, जब वह अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय संगठनों से खुद को जोड़ेगा। तीसरा, इसे ऐसा तंत्र बनाना चाहिए, जिससे सदस्य देशों के बीच परस्पर सहयोग और एकता की भावना बनी रहे। आम सहमति संगठन का मुख्य उद्देश्य होनी चाहिए, जो आपसी चर्चा, संवाद, एकीकृत योजना और राजनीतिक गठबंधन जैसे आवश्यक घटकों द्वारा निर्देशित हो। चौथा, इसकी पांच मुख्य नीति निर्माण समितियों के बीच समन्वय में सुधार के अलावा आपसी विश्वास और आंतरिक तालमेल बनाने के लिए पारदर्शिता अनिवार्य है। संगठन की सफलताएं और विफलताएं साथ चलती हैं, लेकिन प्रमुख शक्तियों के बीच संघर्ष फैल रहा है और भविष्य में मुठभेड़ें हो सकती हैं, जिसका कारण राज्य की बढ़ती कमजोरी और खतरों का फैलना है, जिससे विश्व व्यवस्था में गड़बड़ी हो सकती है। वैश्विक जोखिम रिपोर्ट ने वैश्विक जोखिम धारणा सर्वेक्षण (जीआरपीएस) के निष्कर्षों को 1,500 वैश्विक विशेषज्ञों के विश्लेषण के रूप में पेश किया है, जिन्होंने मौजूदा संकटों को संतुलित करने के लिए जिम्मेदार निर्णयों के पीछे के मस्तिष्क का समर्थन करने के लिए वैश्विक जोखिमों और दीर्घकालिक नीतियों के साथ-साथ प्राथमिकताओं की भी जांच की है। नाटो की प्रमुख विफलताओं में से एक सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा 2006 में सुरक्षा संबंधी व्यय के लिए सहमति के बावजूद जीडीपी के दो फीसदी धन का आवंटन न होना है, खासकर तब, जब अमेरिका गठबंधन के खर्च का दो तिहाई हिस्सा लेता है, जिसे संगठन के अन्य देशों द्वारा साझा किया जाना चाहिए। नाटो ने शीत युद्ध के दौरान साम्यवाद को प्रतिबंधित करने, उग्र राष्ट्रवाद को खत्म करने और सोवियत संघ को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया था। लेकिन अब शीतयुद्ध के बाद स्थिति अस्थिर हो गई है, क्योंकि रूस पड़ोसियों पर कब्जा कर रहा है, जो अन्य छोटे देशों के लिए खतरा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहे नाटो के लिए यह समय परीक्षा की घड़ी की तरह है, जिसे अपने सदस्य देशों की सुरक्षा और स्वतंत्रता के मुख्य उद्देश्य की रक्षा करनी है, जो सैद्धांतिक रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और जनादेश पर आधारित होना चाहिए। लेकिन ट्रंप यदि राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतते हैं, तो यह नाटो के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा। इससे पुतिन जैसे आक्रामकों को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में ताइवान पर कब्जा करने की चीन की अति महत्वाकांक्षी विस्तार नीति को बढ़ावा मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप पुतिन को यूक्रेन पर हमले जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जो यूरोप की सुरक्षा को खतरे में डाल देगा।

चैत्र विनायक चतुर्थी व्रत से सभी संकट होते हैं दूर

आज चैत्र विनायक चतुर्थी है, यह साल की पहली विनायक चतुर्थी है। गणेश जी की पूजा करने से सभी संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती है, तो आइए हम आपको चैत्र विनायक चतुर्थी की व्रत-विधि तथा महत्व के बारे में बताते हैं। जानें चैत्र विनायक चतुर्थी के बारे मेंः चैत्र विनायक चतुर्थी व्रत की विशेषता यह है कि यह व्रत हर महीने में दो बार आता है। महीने में दो चतुर्थी आती हैं ऐसे में दोनों तिथियां ही विघ्नहर्ता भगवान गणेश को समर्पित मानी जाती हैं। गणेश जी सभी देवताओं में प्रथम पूज्य हैं। उन्हें शुभता का प्रतीक माना जाता है। भगवान गणेश भक्तों के विघ्नहर्ता माने जाते हैं।

पंडितों का मानना है कि विनायक चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा की पूजा करने से ज्ञान और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। हर माह में दो चतुर्थी तिथि पड़ती है। पहली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी जिसे संकष्टी चतुर्थी कहते हैं, दूसरी शुक्ल पक्ष की चतुर्थी, जिसे विनायक चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। यह दोनों ही चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित है। प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को चैत्र विनायक चतुर्थी व्रत रखा जाता है। इस माह विनायक चतुर्थी 12 अप्रैल 2024 शुक्रवार के दिन है। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को शुभकर्ता माना जाता है। ऐसे में इस दिन गणपति जी की पूजा करने वालों को भगवान की विशेष कृपा मिलती है। इस दौरान लोगों द्वारा व्रत किया जाता है। चैत्र विनायक चतुर्थी के खास दिन पर श्री गणेश की पूजा करने से भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस दौरान पूजा विधि का खास ध्यान रखा जाता है।

चैत्र विनायक चतुर्थी का महत्वः पंडितों के अनुसार चैत्र विनायक चतुर्थी का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से कार्यों में किसी भी

पंडितों के अनुसार चैत्र विनायक चतुर्थी का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से कार्यों में किसी भी तरह की कोई रुकावट नहीं आती है

तरह की कोई रुकावट नहीं आती है। इसलिए गणपति महाराज को विघ्नहर्ता के नाम से भी जाना जाता है। चैत्र विनायक चतुर्थी पर करें ये उपायः चैत्र विनायक चतुर्थी का दिन बहुत खास होता है। शास्त्रों के अनुसार अगर आप इस दिन गणेश जी को शतावरी चढ़ाते हैं तो इससे व्यक्ति की मानसिक शांति बनी रहती है। गेंदे के फूल की माला को घर के मुख्य द्वार पर बांधने से घर की शांति वापस आती है। साथ ही गणेश जी को अगर चौकोर चांदी का टुकड़ा चढ़ाया जाए तो घर में चल रहा संपत्ति को लेकर विवाह खत्म हो जाता है। किसी भी पढ़ाई में परेशानी हो तो आपको विनायक चतुर्थी पर ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए। विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी को 5 इलायची और 5 लौंग चढ़ाए जाने से

जीवन में प्रेम बना रहता है। वैवाहिक जीवन में किसी भी तरह की परेशानी आ रही हो तो विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी के किसी मंदिर में जाकर हरे रंग के वस्त्र चढ़ाएं। साथ ही चैत्र विनायक चतुर्थी के दिन मूषक पर सवार गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर की पूजा करें। भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय है इस दौरान मोदक का भोग लगाएं। इससे आपकी मनोकामना जरूर पूरी होगी। विनायक चतुर्थी को पूजा के समय गणेश जी को दूर्वा की 5 या 21 गांठ "इदं दुर्वादलं ऊं गं गणपतये नमः" मंत्र के साथ अर्पित करें। इस दिन गणेश जी को लाल सिंदूर का तिलक लगाएं । इस दिन पूजा के समय गणेश जी को शमी के पत्ते अर्पित करें। इससे आपकी हर मनोकामनाएं पूरी करेंगे।

जानें चैत्र विनायक चतुर्थी का शुभ मुहूर्तः विनायक चतुर्थी के दिन गणेश पूजा का शुभ मुहूर्त 11 बजकर 05 मिनट से दोपहर 01 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आपको पूजा के लिए 2 घंटे से अधिक का समय प्राप्त होगा। चैत्र विनायक व्रत की पौराणिक कथा भी है रोचकः शास्त्रों में विनायक व्रत से जुड़ी एक पौराणिक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार माता पार्वती के मन में एक बार विचार आया कि उनका कोई पुत्र नहीं है। इस तरह एक दिन स्नान के समय अपने उबटन से उन्होंने एक बालक की मूर्ति बनाकर उसमें जीव भर दिया। उसके बाद वह एक कुंड में स्नान करने के लिए चली गयीं। उन्होंने जाने से पहले अपने पुत्र को आदेश दे दिया कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी व्यक्ति को अंदर प्रवेश नहीं करने देना। बालक अपनी माता के आदेश का पालन करने के लिए कंदरा के द्वार पर पहरा देने लगता है। थोड़ी देर बाद जब भगवान शिव वहां पहुंचे तो बालक ने उन्हें रोक दिया। भगवान शिव बालक को समझाने का प्रयास करने लगे लेकिन वह नहीं माना। क्रोधित होकर भगवान शिव त्रिशूल से बालक का शीश धड़ से अलग कर दिया। उसके बाद माता पार्वती के कहने पर उन्होंने उस बालक को पुनः जीवित किया। चैत्र विनायक चतुर्थी के दिन ऐसे करें पूजाः चैत्र विनायक चतुर्थी का दिन बहुत खास होता है। इसलिए इस दिन सुबह उठ कर स्नान करें। स्नान करने के बाद घर के मंदिर में दीप जलाएं और भगवान गणेश को स्नान कराएं। इसके बाद भगवान गणेश को साफ वस्त्र पहनाएं। भगवान गणेश को सिंदूर का तिलक भी लगाएं। गणेश भगवान को दुर्वा प्रिय होती है इसलिए दुर्वा अर्पित करनी चाहिए। गणेश जी को लड्डू, मोदक का भोग भी लगाएं इसके बाद गणेश जी की आरती करें। विनायक चतुर्थी पर स्वर्ग की भद्राः चैत्र की विनायक चतुर्थी के दिन भद्रा लग रही है। भद्रा सुबह 05 बजकर 59 मिनट से लग जाएगी और उसका समापन दोपहर में 01 बजकर 11 मिनट पर होगा। इस भद्रा का वास स्वर्ग में है, इसलिए इसका दुष्प्रभाव पृथ्वी पर नहीं होगा।

आम आदमी पार्टी के आदर्श शिक्षा मॉडल की स्थिति चिन्तनीय

देश ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने अपने शिक्षा मॉडल को अनुकरणीय बताया एवं अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि के रूप में बहुप्रचारित किया लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय में इसकी पोल खुल गयी। न्यायालय ने दिल्ली की स्कूलों की स्थिति अत्यंत चिन्तनीय, दुखद एवं अपर्याप्त बताते हुए दिल्ली के शिक्षा सचिव को फटकार लगायी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता एनजीओ 'सोशल ज्यूरिस्ट, ए सिविल राइट्स ग्रुप' का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अशोक अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत इस विषयक एक तीखी रिपोर्ट पर संज्ञान, सुनवाई एवं जांच में पाया कि इन स्कूलों में कई विसंगतियों हैं जैसे टूटी हुई डेस्क, कक्षाओं की गंभीर कमी, पीने के स्वच्छ पानी का अभाव, अपर्याप्त किताबें और लेखन सामग्री। कई स्कूलें टिन बिल्डिंग में चल रही है एक स्कूल में 1,800 लड़कियां और 1,800 लड़के डबल शिफ्ट में पढ़ते हैं। कुछ कक्षाओं में दो-दो कक्षाओं के छात्र एक साथ बैठकर पढ़ते हैं। जब शिक्षा सचिव ने बदहाली की पुष्टि की तो जस्टिस मनमोहन ने कहा कि आपकी इसी लापरवाही की वजह से तिहाड़ जेल में समस्या और भीड़ दोनों बढ़ी है। तिहाड़ जेल में दस हजार कैदियों की क्षमता है, लेकिन वहां 23 हजार हैं। वजह अशिक्षा एवं दूषित शिक्षा है जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य को बर्बाद हो रहा है। केजरीवाल सरकार ने शराब घोटाला ही नहीं, शिक्षा घोटाला भी किया है। केजरीवाल सरकार ने अपनी उपलब्धियों के नाम पर दो उपक्रम प्रमुखता से गिनाये हैं एक शिक्षा एवं दूसरा मौहल्ला क्लीनिक। दिल्ली के सरकारी स्कूलों की दशा एवं दिशा न केवल बिगड़ी है, बल्कि रसातन में चली गयी है। मौहल्ला क्लीनिकों की स्थिति भी दयनीय है। दिल्ली से शुरू हुई उन्नत शिक्षा की पहल को देश के अन्य प्रांतों ही नहीं, बल्कि दुनिया के अनुकरणीय बताने वाले केजरीवाल ने शिक्षा के बुनियाद क्षेत्र को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र को राजनीतिक नजरिये से देखना एवं उन्नत इंसानों को गढ़ने की इस प्रयोगशाला से खिलवाड़ करना, शर्मनाक घटनाक्रम है। आप की सरकार ने साल 2015 से साल 2024 के बीच 'शिक्षा सबसे पहले या एजूकेशन फर्स्ट' जैसा आकर्षक नारा देकर दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्कूलों में नई जान फूंकने के नाम पर दिखावा किया। कुछ स्कूलों को अत्याधुनिक बनाकर दिल्ली की समस्त स्कूलों का कायाकल्प करने की बात करने वाली केजरीवाल सरकार ने करोड़ों रुपए विज्ञापनों पर खर्च किये। आप सरकार ने शिक्षा मंत्रालय संभाले उनके नायब /उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में शिक्षा के लिए अधिकतम राशि का आवंटन किया, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की नई तकनीक और विद्यार्थियों के वास्ते नए पाठ्यक्रम लागू किए तथा स्कूलों का दम तोड़ता बुनियादी ढांचा सुधारने के लिए जी खोल कर धन मुहैया कराया। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रस्तुत हुई दिल्ली की स्कूलों की दर्दनाक स्थितियां बताती है कि वह सरकारी खजाना अगर स्कूलों में खर्च होता तो स्कूलों की यह दुर्दशा देखने को नहीं मिलती। स्पष्ट है स्कूलों के नाम पर आवंटित बजट में बड़ा घोटाला हुआ है, उसकी स्वतंत्र जांच होनी ही चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय में ही एक अन्य याचिका में यह तथ्य भी सामने आया कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में पढ़ने वाले छह लाख से ज्यादा बच्चों को शिक्षा के अधिकार कानून के तहत मिलने वाली सुविधाएं जैसे यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री इत्यादि नहीं मिल पा रही हैं। याचिका में कहा गया है कि राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन एक्ट, दिल्ली राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी रुल्स और दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट के नियमों के मुताबिक बच्चों को शिक्षण सत्र के शुरू में ही उन्हें स्कूल यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री इत्यादि सुविधाएं मिलनी चाहिए। याचिका में कहा गया है दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले 2,69,488 छात्र और दिल्ली नगर निगम में पढ़ने वाले 3,83,203 छात्र शिक्षा के अधिकार कानून के तहत मिलने वाले वैधानिक सुविधाओं से वंचित हैं। याचिका में 14 नवंबर 2023 के ऑडिट मेमो का जिक्र किया गया है जिसमें कहा गया है कि 2016-17 से शिक्षण सत्र से दिल्ली नगर निगम के छात्रों को वैधानिक वित्तीय सुविधा नहीं दी जाती हैं। विडम्बना देखिये दुनिया के लिये आदर्श मॉडल के रूप में दिल्ली की सरकारी स्कूलों को प्रचारित करने वाली स्कूलों की स्थिति कितनी खतरनाक हैं। स्कूल में एक ही कमरे को साइंस लैब, आर्ट रूम और लाइब्रेरी के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है। एक कक्षा में 70 से 80 बच्चे हैं। दोनों पालियों में लगभग 4 हजार छात्र-छात्राएं यहां पढ़ते हैं। स्कूल में कुल 15 कमरे हैं, लेकिन अधिकारिक तौर पर 7 साल पहले इस स्कूल को असुरक्षित घोषित किया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस शिक्षा मॉडल की जिसका डंका वे दिन रात बजाते हैं। यहां तक कि न्यूयार्क टाइम्स में भी दिल्ली के शिक्षा मॉडल की तारीफों के पुल बांधते हुए लेख लिखे जाते हैं। उस शिक्षा मॉडल का यथार्थ बहुत भद्दा एवं खौफनाक है। शिक्षा के नाम पर एक बदनुमा दाग है। जिसकी झलक प्रजा फाउंडेशन एनजीओ की व्हाइट पेपर रिपोर्ट में मिलती है। यह रिपोर्ट केजरीवाल के दावे को मुंह चिढ़ा रही है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल के सत्ता में आने के बाद से दिल्ली के सरकारी स्कूल में ड्रॉप आउट रेट बढ़ गया। साल 2014-15 में सरकारी स्कूल में ड्रॉप आउट रेट जहां 2.9 प्रतिशत था, दो साल के भीतर 2016-17 तक आते आते ड्रॉप आउट रेट 3.4 प्रतिशत हो गया। दिल्ली ईकोनॉमिक सर्वे 2021-22 में दिए गए आकड़े मुख्यमंत्री के प्रचारतंत्र से वादा खिलाफी कर रहे हैं। ये आंकड़े सरकार पर सवाल उठाते हुए बता रहे हैं कि अगर शिक्षा व्यवस्था सुधर रही है तो साल दर साल सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या घट क्यों रही है। ईकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक 2014-15 में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 15.42 लाख थी जो घटते-घटते 2017-18 में 14.81 लाख रह गई। नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को लेकर जो रिपोर्ट जारी किया उसमें स्कूलों में प्रिंसिपल की कमी, ड्रॉप आउट, छात्र-शिक्षक अनुपात जैसी समस्या सामने उभर कर आई। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के छात्रों में सीखने की क्षमता राष्ट्रीय औसत से कम है। सरकारी स्कूल में दाखिले के विपरीत प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में लगातार वृद्धि आई है। साल 2014-15 में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 13.47 लाख थी जो 2020-21 में बढ़ कर 17.82 लाख हो गई।

यानी 2014-15 से लेकर 2020-21 तक 6 साल के अंतराल में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में जहां 4 लाख 85 की वृद्धि हुई, वहीं सरकारी स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में महज 78 हजार की वृद्धि हुई।

कानूनः सियासी सरगर्मियों के बीच 'नागरिकता' चुनावी मुद्दा बनता नहीं दिख रहा; सीएए पर सन्नाटा क्यों है?

जिस कानून के चलते तकरीबन पूरा उत्तर भारत महीनों तक धरना और प्रदर्शनों का गवाह बना रहा, जिसके विरोध की आड़ में देश की राजधानी दिल्ली में दंगे हुए, क्या वह अब चुनावी मुद्दा नहीं रहा? यह सवाल नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के संदर्भ में उठ रहा है। लेकिन मौजूदा चुनावी दौर में इस कानून की खुले तौर पर कहीं चर्चा सुनाई नहीं दे रही है। संसद की मंजूरी के बाद जिस अल्पसंख्यक वर्ग ने इस कानून का विरोध किया था, हो सकता है कि उस समुदाय के बीच अब भी इसे लेकर कुछ सवाल हों, लेकिन हर तरफ चुप्पी है। अगर कहीं इसकी थोड़ी-बहुत चर्चा है भी, तो वह पश्चिम बंगाल और केरल जैसे ही राज्य हैं, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है और वामपंथी दलों का असर है। दिलचस्प यह है कि आचार संहिता लागू होने के दो दिन पहले यानी 14 मार्च को ही अमित शाह कह चुके हैं कि किसी भी हालत में सीएए वापस नहीं लिया जाएगा।

चुनाव के मुद्दे मोटे तौर पर दो तरह से बनते हैं। एक तो किसी मुद्दे, विषय या कानून को लेकर जनता के बीच गहरा असंतोष हो, जिसकी बुनियाद पर वोटों की फसल काटने के लिए विपक्षी दल उसे हवा दे रहे हों या फिर किसी नीति के जरिये सरकार कोई बड़ी कामयाबी हासिल कर चुकी हो या सरकार के किसी फैसले के चलते सकारात्मक बदलाव आया हो। नाकामियों और असंतोष को जहां विपक्षी खेमा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश करता है, वहीं सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों और कामयाबियों को चुनावी मैदान में लोकमत संग्रह का जरिया बनाता है। सत्ताधारी भाजपा प्रत्याशी स्थानीय स्तर पर भले ही सीएए को उपलब्धि बता रहे हों, लेकिन केंद्रीय स्तर पर भाजपा अभी तक इसे चुनावी मुद्दा बनाते नहीं दिख रही है। वैसे भी भाजपा ने अभी अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी नहीं किया है, लेकिन कांग्रेस 'न्याय पत्र' नाम से अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी कर चुकी है। लेकिन उसके घोषणा पत्र में इस पर चुप्पी साध ली गई है। दिसंबर, 2019 में जब संसद के दोनों सदनों ने नागरिकता संशोधन विधेयक को मंजूरी दी थी, तब कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और एआईएमआईएम ने कड़ा विरोध जताया था। वामपंथी दल और राष्ट्रीय जनता दल भी इसके विरोध में थे। मुस्लिम संगठन भी इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए थे।

पीएफआई जैसे संगठन इस कानून के विरोध में देश विरोधी षड्यंत्र रचने में पीछे नहीं रहे। दिल्ली का शाहीन बाग इलाका तो इस कानून के विरोध प्रदर्शन का प्रतीक बन गया। देश भर में, विशेषकर मुस्लिम बहुल इलाकों में जबर्दस्त विरोध-प्रदर्शन हुए। उस समय लगता था कि यह विरोध-प्रदर्शन और धरना अंतहीन रहेगा। लेकिन इस बीच कोरोना महामारी आ गई और शाहीन बाग का धरना खत्म हुआ। लेकिन पूर्वी दिल्ली का इलाका दंगे की आग में धधक उठा था। इस कानून के पारित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को राष्ट्रीय स्तर पर एक खास वर्ग ने निशाना बनाया। इस कानून के लिए अमित शाह विशेष रूप से निशाने पर रहे, क्योंकि इस कानून को पारित कराने में उनकी ही भूमिका प्रमुख रही।

टूडो ने फिर उठाया ऐसा कदम, भारत में कनाडाई मिशनों से भारतीय स्टॉफ की संख्या कर दी कम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जस्टिन टूडो के नेतृत्व वाली कनाडाई सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में ओटावा द्वारा अपने दो-तिहाई से अधिक राजनयिकों को वापस बुलाने के पांच महीने बाद, भारत भर में अपने मिशनों में स्थानीय कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है। कनाडा ने नई दिल्ली में उच्चायोग और मुंबई, चंडीगढ़ और बेंगलुरु में तीन वाणिज्य दूतावासों में राजनयिक कर्मियों की कमी का कारण भारत में संचालन के प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक कनाडाई पर्यवेक्षी कर्मियों की कमी को बताया है। मैं पुष्टि कर सकता हूं कि कनाडा सरकार ने भारत में हमारे मिशनों के नेटवर्क में कुछ कर्मचारियों की कटौती लागू की है।

अपडेट न्यूज

भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने में 'बड़ी सकारात्मक प्रगति' हुई है: चीन

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन और भारत ने सीमा गतिरोध को हल करने के लिए 'बड़ी सकारात्मक प्रगति' की है और दोनों पक्षों के बीच गहन संवाद जारी है। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यहां यह बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग की टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया बयान पर चीन की प्रतिक्रिया पर और विस्तार से आयी है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत के लिये चीन के साथ संबंध महत्वपूर्ण हैं और सीमाओं पर 'लंबे समय से चली आ रही स्थिति' का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। 'न्यूजवीक' पत्रिका के साथ साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री ने आशा जतायी थी कि राजनयिक और सैन्य स्तरों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से, दोनों देश अपनी सीमाओं पर शांति और स्थिरता बहाल करने और बनाए रखने में सक्षम होंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में न्यूजवीक को दिए गए मोदी के साक्षात्कार पर एक सवाल के जवाब में कहा, ''सीमा मुद्दे के बारे में, मैं आपको बता सकती हूं कि चीन और भारत के बीच राजनयिक एवं सैन्य चैनलों के माध्यम से गहन संवाद हुये हैं और बड़ी सकारात्मक प्रगति हुई है।''

मजेदार लेकिन दुखद...स्विट्जरलैंड में आयोजित यूक्रेन शांति वार्ता में नहीं बुलाए जाने पर पुतिन ने उड़ाया मजाक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जून में यूक्रेन शांति वार्ता के नियोजित दौर का मजाक उड़ाते हुए कहा कि यह इतना दुखद नहीं होता तो हास्यास्पद होता अगर रूस को दो युद्धरत पक्षों में शांति लाने के लिए वार्ता की मेज पर आमंत्रित नहीं किया जाता है। इस सप्ताह की शुरूआत में स्विस सरकार ने दो साल से अधिक के विनाशकारी युद्ध के बाद यूक्रेन में शांति के लिए आगे बढ़ने के रास्ते पर चर्चा करने के लिए 100 से अधिक देशों को आमंत्रित करते हुए एक उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि रूस भविष्य में शांति प्रयासों में संभावित रूप से भाग ले सकता है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी चेतावनी दी थी कि अगर यूक्रेन के साथ संभावित युद्धविराम वार्ता मास्को के हितों को ध्यान में नहीं रखती है तो यह "समय की बेकार बबार्दी" हो सकती है। रूस ने कभी भी यूक्रेनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को अस्वीकार नहीं किया है पुतिन ने बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ बैठक के दौरान कहा कि वह 'यूक्रेन-थीम' शिखर सम्मेलन को एक तरह का एक सनकी शो मानते हैं। पुतिन ने शिखर सम्मेलन का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वे मानते हैं कि हम वहां के नहीं हैं। और साथ ही उनका कहना है कि हमारे बिना कुछ भी सुलझाना नामुमकिन है। इस्तांबुल शिखर सम्मेलन में बातचीत को याद करते हुए पुतिन ने कहा कि हमने कभी भी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने से इनकार नहीं किया है। हम बिल्कुल यही करना चाहते थे। लेकिन बाद में राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेनी पक्ष को बंदूक की नोक पर शांति समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को बंदूक की नोक पर उन समझौतों पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए और कीव से अपने सैनिकों को वापस नहीं लेना चाहिए। लेकिन फिर पश्चिम के दबाव में यूक्रेनी पक्ष इन समझौतों से बाहर निकल गया। पुतिन ने कहा कि ऐसा करने के तुरंत बाद, हमारे समझौतों को कूड़ेदान में फेंक दिया गया। रूसी आउटलेट नोवाया गजेटा की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किये ने हाल ही में यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक नई योजना का प्रस्ताव दिया है, जिसमें युद्ध पर रोक और यूक्रेन के लिए गुटनिरपेक्ष स्थिति शामिल है।

अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया ने विवादित पूर्वी चीन सागर में सैन्य अभ्यास किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी नौसेना ने यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट पोत के नेतृत्व में अपने सहयोगी देश जापान और दक्षिण कोरिया के साथ पूर्वी चीन सागर में तीन दिवसीय सैन्य अभ्यास किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के व्हाइट हाउस में जापान और फिलीपीन के नेताओं के साथ वार्ता के लिए मुलाकात के करने के बीच यह अभ्यास किया गया। इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य, क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर साझेदार देशों के बीच एकजुटता को मजबूत करना है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के कई मिसाइल विध्वंसक पोत और एक जापानी युद्ध पोत ने विवादित पूर्वी चीन सागर में 10 से 12 अप्रैल तक सैन्य अभ्यास किया। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप नाइन के कमांडर रियर एडमिरल क्रिस्टोफर अलेक्जेंडर ने कहा कि तीन देशों ने समुद्री युद्धाभ्यास और बचाव अभियान अभ्यास में हिस्सा लिया तथा संचार एवं डेटा साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने रूजवेल्ट पोत पर बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि ये अभ्यास अमेरिका और इसके सहयोगी देशों के बीच संचार बेहतर बनाने तथा ''क्षेत्र में संकट से निपटने के लिए हमें बेहतर रूप से तैयार करेगा।''

समुद्री सुरक्षा के लिए परिचालन गतिविधियों में तेजी ला रही हैं भारत-अमेरिका सेना: ऑस्टिन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कहा कि भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाकर, दोनों देश व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अधिक स्थिर शक्ति संतुलन को बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने रक्षा विभाग के वार्षिक बजट पर इस सप्ताह कांग्रेस की सुनवाई के दौरान सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को यह भी बताया कि अमेरिका और भारत की सेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए परिचालन गतिविधियों में तेजी ला रही हैं। ऑस्टिन ने कहा, ''भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाकर, हम व्यापक हिंद-प्रशांत में अधिक स्थिर शक्ति संतुलन को बनाए रखने के लिए एक साथ मिलकर काम कर सकते हैं। इस बजट अनुरोध के साथ, हम अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी के तहत अमेरिका-भारत संबंधों में एक नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारी सेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त अभ्यासों, सूचना-साझा करने और अन्य परिचालन गतिविधियों में तेजी ला रही हैं।'' ऑस्टिन ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि अमेरिका-भारत की बढ़ती साझेदारी हमारे सहयोगियों और साझेदारों के व्यापक नेटवर्क खासतौर से ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद के प्रयासों का समर्थन करे।'' हिंद-प्रशांत पर कांग्रेस की एक अलग सुनवाई में अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन सी एक्विलिनो ने सांसदों से कहा कि क्षेत्र में चीन के आक्रामक कदमों के बीच मजबूत अमेरिका-भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत के लिए आवश्यक है। एक्विलिनो ने सांसदों से यह भी कहा कि 2021 में भारत के साथ अपने लंबे समय से चल रहे सीमा विवाद के बीच चीन ने एक भूमि सीमा कानून पारित किया।

लौट कर मालदीव भारत को आया

पर्यटकों के लिए दरवाजा खटखटाया, पर्यटकों को लुभाने के लिए करेगा रोड शो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मालदीव में भारतीय पर्यटकों को वापस लुभाने के प्रयास में द्वीप राष्ट्र में एक प्रमुख पर्यटन निकाय ने कई प्रमुख भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करने की योजना का खुलासा किया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि हाल के दिनों में मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई है।

मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स (MATATO) ने दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने के तरीकों का पता लगाने के लिए मालदीव में भारत के उच्चायुक्त मुनु महावर के साथ चर्चा करने के अपने इरादे का खुलासा किया। भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के प्रयासों में तेजी लाने का निर्णय मालदीव के तीन अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया पर भारत

और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के कारण मालदीव के खिलाफ एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया के बाद लिया गया है। इस प्रतिक्रिया के कारण कई बार आरक्षण रद्द करना पड़ा और कई मशहूर हस्तियों सहित भारतीय पर्यटकों की मालदीव यात्रा की योजना में गिरावट आई। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत, जो पहले शीर्ष पर्यटक देशों में से एक था, पर्यटकों के आगमन के मामले में छठे स्थान पर खिसक गया है।

पाकिस्तान में ईद के दिन सिंधु नदी में नाव पलटने से 15 लोग डूबे, 11 को बचाया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को सिंधु नदी में नाव पलटने से ईद मना रहे कम से कम 15 लोग डूब गए। 1122 बचाव अधिकारियों ने कहा कि यह त्रासदी नौशेरा जिले के कुंड पार्क क्षेत्र में हुई, जहां ईद का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए लोग खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के संगम पर नदी में डूब गए। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 11 लोगों को जिंदा बचा लिया और लापता चार लोगों की तलाश जारी है। नौशेरा, स्वाबी और मर्दन की बचाव टीमें तलाशी अभियान में भाग ले रही हैं। राज्यपाल गुलाम अली और मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। वहीं बच्चों की हत्या पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरुवार को गरीबी से परेशान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सात नाबालिग बच्चों की कथित तौर पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी।

अमेरिकी संसद में मंदिरों पर हमले और हिंदूफोबिया की आलोचना करने वाला प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में हिंदुओं और हिंदू धर्म के योगदानों का उल्लेख करते हुए एक प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सांसद ने 'हिंदूफोबिया', हिंदू-विरोधी कट्टरता, नफरत और असहिष्णुता की निंदा करते हुए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है। कांग्रेस सदस्य श्री थानेदार द्वारा बुधवार को पेश किए गए प्रस्ताव को सदन की निरीक्षण और जवाबदेही समिति के पास भेजा गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका में सकारात्मक योगदानों के बावजूद हिंदू-अमेरिकियों को अपनी विरासत और प्रतीकों के बारे में रूढ़िवादिता और दुष्प्रचार का सामना करना पड़ता है तथा वे स्कूलों और कॉलेज परिसरों में छेड़छाड़ के साथ ही भेदभाव, घृणा भाषण तथा पूर्वाग्रह से प्रेरित अपराधों का सामना करते हैं।

प्रस्ताव में कहा गया है कि संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की घृणा अपराध सांख्यिकीय रिपोर्ट के अनुसार, मंदिरों और व्यक्तियों को निशाना बनाने वाले हिंदू विरोधी घृणा अपराध हर साल बढ़ रहे हैं जबकि इसके साथ ही अमेरिकी समाज में 'हिंदूफोबिया' (हिंदू विरोधी या हिंदुओं के प्रति घृणा की भावना) दुर्भाग्यपूर्ण रूप से बढ़ रहा है। इसके अनुसार, अमेरिका ने 1900 के बाद से दुनिया के सभी हिस्सों से 40 लाख से अधिक हिंदुओं का स्वागत किया है जिसमें विभिन्न नस्ल, और जातीय पृष्ठभूमि के हिंदू शामिल हैं। प्रस्ताव के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था के प्रत्येक आयाम और प्रत्येक उद्योग में हिंदू-अमेरिकियों के योगदान से देश को काफी फायदा हुआ है। 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' के नीति एवं रणनीति प्रमुख खांडेराव कांड ने कहा कि इस साल की पहली तिमाही में श्रद्धालुओं को डराने के लिए अमेरिका में मंदिरों में चोरी के साथ ही तोड़फोड़ की घटनाओं में अचानक वृद्धि हुई है।

एलेक्स एलिस के स्थान पर लिंडी कैमरून होंगी भारत में ब्रिटेन की नयी उच्चायुक्त

लंदनः नयी दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिटेन ने लिंडी कैमरून को बृहस्पतिवार को भारत में अपना नया उच्चायुक्त नियुक्त किया। कैमरून निवर्तमान एलेक्स एलिस का स्थान लेंगी। कैमरून भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं। ब्रिटेन की सरकार ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा, '' लिंडी कैमरूनको एलेक्स एलिस के उत्तराधिकारी के रूप में भारत गणराज्य में ब्रिटेन का उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। एलिस को कोई अन्य राजनयिक जिम्मेदारी दी जाएगी।'' नयी दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायोग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि कैमरून इस महीने अपना कार्यभार संभालेंगी। लिंडी कैमरून ने नयी जिम्मेदारी मिलने पर उत्सुकता व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '' भारत में ब्रिटेन की अगली उच्चायुक्त नियुक्त होने पर बेहद गर्व महसूस कर रही हूं। इतनी महान विरासत छोड़ने के लिए एलेक्स एलिस को बहुत-बहुत धन्यवाद। इसलिए भारत में ब्रिटेन की अद्भुत टीम के साथ काम

करने के लिए उत्सुक हूं।

मैं (अपनी पारी) शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकती!'' कैमरून 2020 से ब्रिटेन के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा केंद्र की मुख्य कार्यकारी के रूप में कार्यरत हैं। वह ब्रिटेन के उत्तरी आयरलैंड कार्यालय के महानिदेशक के रूप में भी कार्यरत थीं। उनकी यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन और भारत काफी समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत में जुटे हुए हैं।

अगले 48 घंटे इजरायल के लिए पड़ सकते हैं भारी आईडीएफ ने कर ली जवाब की पूरी तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इजराइल पर संभावित ईरानी हमले को लेकर तनाव गुरुवार को नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया क्योंकि इजराइली सेना ने कहा कि वह आने वाले हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है और कई अंतरराष्ट्रीय अभिनेताओं ने तेहरान को यहूदी राज्य पर एक बड़े हमले के खिलाफ चेतावनी दी है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजराइल विभिन्न परिदृश्यों के लिए सतर्क और अत्यधिक तैयार है, और हम लगातार स्थिति का आकलन कर रहे हैं।

उन्होंने इजराइल पहुंचे यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला का जिक्र

करते हुए कहा कि हम आईडीएफ के पास मौजूद विभिन्न क्षमताओं का उपयोग करके हमले और बचाव के लिए तैयार हैं, और अपने रणनीतिक भागीदारों के साथ भी तैयार हैं। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा कि उसने ईरान की धमकियों के बीच "अत्यधिक सावधानी बरतते हुए" इजराइल में अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को तेल अवीव, जेरूसलम और बेशेर्बा क्षेत्रों के बाहर व्यक्तिगत यात्रा से प्रतिबंधित कर दिया है।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक ईरानी वाणिज्य दूतावास की इमारत पर 1 अप्रैल के हवाई हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर हमला करने की धमकी दी है, जिसमें दो जनरलों सहित कई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स कमांडर मारे गए थे।

तेहरान और दमिश्क दोनों ने हमले के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है और बदला लेने की कसम खाई है, हालांकि येरूशलम ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जाहिरा तौर पर आग की लपटों को कम करने की कोशिश करते हुए, ईरानी सूत्रों ने गुरुवार को रॉयटर्स को बताया कि तेहरान ने वाशिंगटन को संकेत दिया है कि वह इस तरह से जवाब देगा जिसका उद्देश्य बड़ी वृद्धि से बचना है और वह जल्दबाजी में कार्रवाई नहीं करेगा।

मुइज्जू को महंगा पड़ा भारत विरोध

विपक्षी दलों ने महाभियोग के साथ ही पद से हटाने की तैयारी कर ली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मालदीव की संसद में हंगामे के बाद मुख्य विपक्षी दल एमडीपी ने पीपुल्स डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर ली है। इसके साथ ही मुइज्जू को पद से भी हटाने की तैयारी है। लेकिन इन सब के बीच मुइज्जू के भाषण का भी विपक्षी दलों ने बॉयकाट किया है। ये कहीं न कहीं सीधे तौर पर ये बताता है कि भारत के साथ रहना होगा। इसके साथ ही मालदीव की जनता ये चाहती है कि इंडिया फर्स्ट की नीति पर ही मालदीव काम करे न की चीन के इशारे पर नाचे।

मुइज्जू भारत विरोधी एजेंडे के साथ ही सरकार बनाते हुए नजर आए थे। लेकिन उनकी नई नवेली सरकार पर संकट गहराता जा रहा है। मुइज्जू की परेशानियां आने वाले दिनों में और बढ़ जाएंगी। मालदीव की जनता भी मुइज्जू के फैसलों के साथ खड़ी होती हुई दिखाई नहीं दे रही है। भारत हमेशा से मालदीव का सबसे शानदार दोस्त रहा है। हर संकट की घड़ी में मालदीव ने भारत की मदद की है।

लेकिन चीन के इशारे पर मुइज्जू तमाम कदम उठाते नजर आए। चाहे वो भारत की सेना को वापस भेजने का मुद्दा हो। लेकिन मालदीव की जनता और विपक्षी दल भारत की अहमियत को भलि-भांति समझते हैं। इसलिए मुइज्जू के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो चुका है।

जनवरी में ही खबर आई थी कि एमडीपी और एक अन्य विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के पास मुइज्जू पर महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त हस्ताक्षर किए थे। मालदीव के संविधान में कहा गया है कि मजलिस के एक तिहाई सदस्य राष्ट्रपति को हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी देते हैं। यह पहली बार नहीं है जब मुइज्जू को विपक्ष का गुस्सा झेलना पड़ा। चीन समर्थक नेता ने पदभार ग्रहण करने के बाद औपचारिक रूप से भारत से अपने सैन्य कर्मियों को उनके देश से वापस बुलाने का अनुरोध किया।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अमेरिकी संसद को किया संबोधित

वाशिंगटन, (एजेंसी)। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी संसद में सांसदों को संबोधित किया और उनसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव और विदेशों में अमेरिका की भूमिका को लेकर गहराते संदेह के बीच वैश्विक प्रतिबद्धताओं के महत्व पर विचार करने का आग्रह किया। किशिदा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात के लिए इस सप्ताह वाशिंगटन में हैं।

व्हाइट हाउस ने क्वाड समूह के प्रत्येक देश की मेजबानी का कार्यक्रम पूरा कर लिया है। क्वाड में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। क्वाड एक प्रकार की अनौपचारिक साझेदारी है, जिसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। किशिदा ने कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में सांसदों को संबोधित करते हुए वैश्विक सुरक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि जापान एक शक्तिशाली भागीदार है।

माली की सैन्य सरकार ने मीडिया पर देश की राजनीतिक गतिविधियों की रिपोर्टिंग पर लगाया प्रतिबंध

बमाको (माली), (एजेंसी)। माली की सैन्य सरकार ने देश की मीडिया पर राजनीतिक दलों और संगठनों की गतिविधियों की रिपोर्टिंग करने पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया। देश के सैन्य शासन ने सोशल मीडिया में इस संबंध में एक नोटिस जारी किया है। यह आदेश टेलीविजन, रेडियो, ऑनलाइन और प्रिंट समाचार पत्रों सहित मीडिया के सभी प्रारूपों पर लागू होता है। इससे एक दिन पहले बुधवार को सैन्य शासन ने अगले आदेश तक सभी राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। माली में 2020 से दो बार सैन्य तख्तापलट हो चुका है जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। राजनीतिक उठा-पटक के साथ-साथ देश में आतंकवादी संगठन अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादियों की गतिविधियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बृहस्पतिवार को मीडिया में जारी किए गए प्रतिबंध संबंधी आदेश का दायरा क्या होगा। मसलन इस बात को लेकर स्पष्टता नहीं है कि क्या पत्रकार अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर खबर प्रकाशित कर सकते हैं जो सीधे तौर पर देश के राजनीतिक हालात से जुड़ी है। साथ ही यह भी अस्पष्ट है कि पत्रकारों के कामकाज की निगरानी कौन करेगा। देश में पत्रकारों के संगठन ' मैसन डे ले प्रेस' ने कड़े शब्दों में इस आदेश की आलोचना की है।

सुधर रहे हैं भारत और मालदीव

पर्यटकों को वापस लुभाने के लिए मालदीव भारत में रोड शो आयोजित करेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मालदीव में भारतीय पर्यटकों को वापस लुभाने के लिए एक प्रमुख पर्यटन निकाय ने घोषणा की है कि वह प्रमुख भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेगा। मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट जारी है, मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स ने दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर भारत के उच्चायुक्त, मुनु महावर के साथ चर्चा की। जैसे-जैसे मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट जारी है, द्वीप देश के टूर और ट्रैवल एसोसिएशन ने आगे की गिरावट को रोकने के लिए भारत से संपर्क किया है।

मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स (MATATO) ने "पर्यटन को बढ़ावा देने में सहयोगात्मक प्रयासों का पता लगाने के लिए" सोमवार को मालदीव में भारतीय उच्चायुक्त मुनु महावर से मुलाकात की। एसोसिएशन ने पर्यटन पहल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय उच्चायोग के साथ मिलकर सहयोग करने का इरादा व्यक्त किया। इसमें कहा गया है, "भारत के प्रमुख शहरों में एक व्यापक रोड शो शुरू करने और आगामी महीनों में मालदीव में प्रभावशाली व्यक्तियों और मीडिया परिचित यात्राओं की सुविधा प्रदान करने की योजना पर काम चल रहा है।" भारतीय पर्यटकों की संख्या, जो पिछले कुछ वर्षों में माले के लिए पर्यटन के शीर्ष स्रोतों में से एक थे, जनवरी के बाद कम हो गई जब लक्षद्वीप को पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने के बाद अब तीन निलंबित मंत्रियों ने भारत और प्रधान

मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं। भारत और पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां लोगों और संगठनों के एक वर्ग को पसंद नहीं आईं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर "बॉयकॉटमालदीव्स" अभियान शुरू किया। कुछ ही हफ्तों में, मालदीव जाने वाले शीर्ष पर्यटक समूह से जनवरी के आखिरी तीन हफ्तों में भारतीय पांचवें स्थान पर खिसक गए। पिछले तीन वर्षों में, 2 लाख से अधिक भारतीयों ने सालाना मालदीव का दौरा किया, जो कि कोविड के बाद किसी भी देश से सबसे अधिक है। 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने मालदीव का दौरा किया, जिनमें से सबसे अधिक भारतीय (2,09,198) थे, उसके बाद रूसी (2,09,146) और चीनी (1,87,118) थे। मालदीव में भारतीय आगंतुकों की संख्या 2022 में 2.4 लाख से अधिक और 2021 में 2.11 लाख से अधिक थी। 8 अप्रैल तक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत से मालदीव आने वाले पर्यटक छठे स्थान पर खिसक गए हैं। अब तक, केवल 36,840 पर्यटकों ने द्वीप राष्ट्र का दौरा किया, जो पिछले वर्षों के समान महीनों की तुलना में भारी गिरावट है।

मालदीव के टूर एसोसिएशन ने एक बयान में कहा कि मालदीव पर्यटन के लिए "भारत एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है" और यह द्वीप राष्ट्र को एक प्रमुख यात्रा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए भारत भर में प्रमुख यात्रा संघों और उद्योग हितधारकों के साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर है। इसमें कहा गया है, "एसोसिएशन को भरोसा है कि उद्योग और सरकारी एजेंसियों के समर्थन से मालदीव भारतीय पर्यटकों की मौजूदा गिरावट को फिर से हासिल कर सकता है।" MATATO ने कहा कि भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग द्वारा वर्ष 2030 तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर सालाना 144 बिलियन डॉलर खर्च करने का अनुमान है, जिसमें आतिथ्य, एयरलाइन और पर्यटन उद्योगों में वैश्विक खिलाड़ियों से महत्वपूर्ण रुचि और निवेश आकर्षित होगा। यूरोमॉनिटर के अनुसार, इसमें कहा गया है, 2030 तक बाहर जाने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या दोगुनी होकर 47 मिलियन होने की उम्मीद है, उनका खर्च 2019 में 35 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 84 बिलियन डॉलर तक प्रभावशाली होने का अनुमान है।

अरुणाचल प्रदेश में केंद्रीय बलों की 10 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की जाएंगी

इटानगर, (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग अरुणाचल प्रदेश में चुनावों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 10 अतिरिक्त कंपनियां तैनात करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य की 50 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। अरुणाचल प्रदेश में 60 सदस्यीय विधानसभा है और सत्तारूढ़ भाजपा पहले ही 10 सीट निर्विरोध जीत चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार साईं ने कहा, ''निर्वाचन आयोग राज्य में जमीनी रिपोर्ट का आकलन करने के बाद अर्द्धसैनिक बलों की 10 अतिरिक्त कंपनियां तैनात करेगा।''

अपडेट न्यूज

आप कार्यकर्ताओं ने राज कुमार आनंद के दिल्ली स्थित आवास के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। राज कुमार आनंद के दिल्ली मंत्रिमंडल और पार्टी से इस्तीफा देने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकताओं ने शुक्रवार को पटेल नगर स्थित उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ता अंकुश नारंग ने कहा, पिछले चार साल से आनंद' आप' के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने उन लोगों से कई विकास परियोजनाओं का वादा किया था, जिन्होंने उन्हें वोट दिया था। उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। आनंद पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। आनंद ने 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवेश रत्न को हराकर जीत हासिल की थी। आनंद ने बुधवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और भ्रष्टाचार और पार्टी में दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए पार्टी भी छोड़ दी थी। पार्टी कार्यकताओं ने दावा किया कि कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया है।

नारंग ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के डर से आनंद ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, आज आप के कई कार्यकताओं और यहां तक कि पटेल नगर के निवासियों ने भी उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें हमारे कुछ कार्यकताओं को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है।

असम में तीसरे चरण की चार लोकसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम में तीसरे चरण की गुवाहाटी समेत चार लोकसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गई। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। देशभर में तीसरे चरण के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ ही प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुवाहाटी, बारपेटा, धुबरी और कोकराझार (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान तीसरे चरण के तहत सात मई को होगा। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल है, जबकि इसकी जांच अगले दिन की जाएगी। नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है। वोटों की गिनती देश की शेष लोकसभा सीट के साथ चार जून को होगी। 'हाई-प्रोफाइल' गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी हैं। मेधी भाजपा की असम इकाई की उपाध्यक्ष हैं और वह राज्य में पार्टी की महिला शाखा की पूर्व अध्यक्ष रही हैं। कांग्रेस से पहली बार चुनाव लड़ने वाली मीरा बारठाकुर गोस्वामी से मेधी का सीधा मुकाबला होने की संभावना है। गोस्वामी असम प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष हैं। सत्तारूढ़ मोर्चे से, असम गण परिषद (एजीपी) ने वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और बोंगाईगांव के मौजूदा विधायक फणी भूषण चौधरी को बारपेटा से चुनाव लड़ने के लिए नामित किया है।

कांग्रेस ने बारपेटा से अपने राज्य सेवा दल प्रमुख दीप बायन को नामांकित किया है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने इस सीट के लिए राज्य विधानसभा में अपने एकमात्र विधायक मनोरंजन तालुकदार को नामित किया है। असम में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता और तरूण गोगोई मंत्रिमंडल के पूर्व मंत्री रकीबुल हुसैन 'ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एआईयूडीएफ) के गढ़ माने जाने वाली धुबरी सीट से पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। हुसैन को एआईयूडीएफ प्रमुख और मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल और सत्तारूढ़ गठबंधन एजीपी के असम के पूर्व विधायक जाबेद इस्लाम के साथ त्रिकोणीय मुकाबले का सामना करने की संभावना है। भाजपा नीत गठबंधन के सहयोगी दल यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने कोकराझार (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपने विधायक जोयंता बसुमतारी को नामित किया है।

कोकराझार सीट के लिए विपक्षी कांग्रेस ने गर्जन मुशहरी को, तो बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने कंपा बोर्गोयारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। मौजूदा लोकसभा में असम से भाजपा के नौ सांसद हैं जबकि इसके सहयोगी एजीपी और यूपीपीएल का कोई सांसद नहीं है। निवर्तमान लोकसभा में असम से कांग्रेस के तीन सदस्य और एआईयूडीएफ का एक सदस्य है, जबकि एक निर्दलीय सांसद है।

पंजाब में गैंगस्टर जयपाल भुल्लर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, तीन किग्रा हेरोइन और पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़, (एजेंसी)। गैंगस्टर जयपाल भुल्लर के गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर उसके पास से तीन किलोग्राम हेरोइन तथा दो पिस्तौल बरामद की गयी हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जांच से पता चला है कि यह गिरोह पाकिस्तान से सीमा पार से हेराइन मंगा रहा है। उन्होंने कहा, ''सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए जालंधर आयुक्तालय पुलिस ने जयपाल भुल्लर गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया और उसके पास से तीन किग्रा हेरोइन तथा दो पिस्तौल बरामद की।'' डीजीपी ने कहा, ''जांच से पता चलता है कि यह गिरोह पाकिस्तान से हेरोइन मंगा रहा था।'' उन्होंने कहा कि स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है और मामले की जांच की जा रही है। पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त निरीक्षक के बेटे जयपाल भुल्लर को 2021 में कोलकाता में पुलिस के एक मुठभेड़ में एक अन्य गैंगस्टर के साथ मार गिराया गया था। भुल्लर के खिलाफ पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 40 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे।

मान-केजरीवाल मुलाकात: सुरक्षा के लिए तिहाड़ जेल, दिल्ली एवं पंजाब पुलिस के अधिकारियों की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की संभावित मुलाकात के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जेल और दिल्ली एवं पंजाब पुलिस के अधिकारियों के बीच शुक्रवार को चर्चा हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने बताया कि तिहाड़ में उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) के कार्यालय में पूर्वाह्न 11 बजे यह बैठक शुरू हुई। मान और केजरीवाल के बीच मुलाकात के लिए दिल्ली जेल नियमावली के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था तथा सभी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए यह बैठक की गयी। मान ने तिहाड़ की जेल संख्या दो में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के लिए तिहाड़ प्रशासन से समय मांगा है। केजरीवाल अब निरस्त कर दी गयी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं और वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री समेत छह लोगों का नाम दिया है, जिनसे वह जेल में मुलाकात करना चाहते हैं।

पीलीभीत में भाजपा पर बरसे अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश के लोग जितना अच्छा स्वागत करते हैं तो विदाई...

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने किसानों की ताकत का एहसास करने के बाद तीन "काले" कृषि कानूनों को रद्द कर दिया। पार्टी प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार के समर्थन में पीलीभीत में रैली करने पहुंचे यादव ने यह भी कहा कि पीलीभीत के लोगों ने भाजपा को हराने का मन बना लिया है और भगवा पार्टी डरी हुई है। उन्होंने कहा कि जब से ये दिल्ली वाले आए हैं, महंगाई तो इतनी बढ़ाई है जिसकी आप कल्पना नहीं कर पा रहे हैं। महंगाई बढ़ती चली जा रही है, चाहे वो डीजल हो, पेट्रोल हो, जरूरत के सामान हो 2014 से 2024 का हिसाब किताब लगाइए चीजों की कितनी महंगाई बढ़ गई है। सपा नेता ने कहा कि यह सरकार महंगाई पर अंकुश नहीं लगा रही है।

उन्होंने कहा कि जब महंगाई रोकनी थी तब इन्होंने चंदा वसूलने का काम किया। ये दावा करेंगे भ्रष्टाचारी बचेंगे नहीं, लेकिन भ्रष्टाचार बढ़ाने का काम कोई कर रहा तो बीजेपी वाले कर रहे हैं। भाजपा पर हमला करते हुए अखिलेश ने कहा कि वे दावा करते हैं कि भ्रष्टाचारियों को छोड़ा नहीं जाएगा, लेकिन अगर कोई भ्रष्टाचार बढ़ा रहा है तो वह बीजेपी के लोग हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश ने उनकी सरकार बनाई है; 2014 में वे सत्ता में आये, लेकिन 2024 में वे सत्ता से बाहर हो जायेंगे।

यदि उत्तर प्रदेशवासी गर्मजोशी से स्वागत कर सकते हैं तो गर्मजोशी से विदाई भी दे सकते हैं। चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश में यादव की यह पहली राजनीतिक रैली है। पूर्व मुख्यमंत्री ने चुनावी बांड और नोटबंदी के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुझे बताएं कि क्या ये चुनावी बांड और नोटबंदी काले धन को सफेद करने के तरीके नहीं हैं?

बेंगलुरु रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस पर घिर गई ममता

बीजेपी बोली- बंगाल आतंकियों के लिए सुरक्षित पनागाह, पुलिस ने कहा- झूठ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीजेपी ने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल आतंकियों के लिए जन्नत है। बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने कहा कि एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट में दो मुख्य संदिग्धों, हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और साथी अब्दुल मथीन अहमद ताहा को कोलकाता से हिरासत में लिया। दोनों संभवतः कर्नाटक के शिवमोग्गा में आईएसआईएस सेल से संबंधित हैं। मालवीय ने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल, दुर्भाग्य से ममता बनर्जी के नेतृत्व में, आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

बंगाल पुलिस ने एक्स पर अमित मालवीय के सवाल पर जवाब देते हुए ट्वीट किया कि अमित मालवीय के दावों के विपरीत तथ्य यह है कि, पश्चिम बंगाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के संयुक्त अभियान में पूर्व मेदिनीपुर से रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में डब्ल्यूबीपी की सक्रिय भूमिका को केंद्रीय एजेंसियों ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है। पश्चिम बंगाल कभी भी आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहा है और राज्य पुलिस अपने लोगों को नापाक गतिविधियों से सुरक्षित रखने के लिए हमेशा सतर्क रहेगी। बंगाल पुलिस के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए अमित मालवीय ने पूछा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री कौन हैं? क्या ममता बनर्जी ने इस्तीफा दे दिया है या कानून-व्यवस्था पर अपने खराब ट्रैक रिकॉर्ड का बचाव करने में अक्षम हैं?

2006 में हत्या के प्रयास और जबरन वसूली के मामले में रवि पुजारी गिरोह के छह सदस्य बरी

ठाणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक विशेष मकोका अदालत ने संगठित अपराध, हत्या के प्रयास और जबरन वसूली के एक मामले में 16 साल से अधिक समय की सुनवाई के बाद गैंगस्टर रवि पुजारी के गिरोह के छह लोगों को बरी कर दिया है। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामलों की सुनवाई करने वाली अदालत के अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश ए.एन. सिरसीकर ने एक अप्रैल के अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा है। अदालत के आदेश की कॉपी शुक्रवार को उपलब्ध हुई। इसी मामले में अदालत ने दो अन्य व्यक्तियों को भी बरी कर दिया। विशेष लोक अभियोजक संजय मोरे ने अदालत को बताया कि आरोपी ने सितंबर 2006 में नवी मुंबई में एक निर्माण कंपनी के कार्यालय में घुसकर पैसे की मांग की और लेखाकार को मारने का प्रयास किया था। बचाव पक्ष के वकील रामराव एस जगताप, पुनीत माहिमकर और प्रियंका भोसले ने आरोपों को खारिज किया।

न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष के मामले में आरोपी की पहचान और स्पष्ट मकसद जैसी विसंगतियों का जिक्र किया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी ने संगठित अपराध करने वाले किसी गिरोह के सदस्य के रूप में अपराध को अंजाम दिया था। साथ ही अदालत ने कहा कि यह भी साबित नहीं हो सका है कि आरोपी ने संगठित अपराध से प्राप्त आर्थिक लाभ के माध्यम से संपत्ति अर्जित की है। न्यायाधीश सिरसीकर ने यह भी लिखा कि दो आरोपियों के खिलाफ अभी भी आरोप तय नहीं किये गये हैं, जबकि उनके खिलाफ करीब 18 साल पहले मामला दर्ज किया गया था।

इस सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे उमर अब्दुल्ला, बीजेपी को दी चुनौती- जमानत जब्त करवा दूंगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शुक्रवार को अपने उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को बारामूला लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता आगा सैयद रूहुल्ला को श्रीनगर से मैदान में उतारने का भी फैसला किया गया। श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में उमर ने भाजपा को कश्मीर घाटी में अपने उम्मीदवार खड़ा करने की चुनौती दी। अनुच्छेद 370, विकास, सामान्य स्थिति की सभी चचाओं के बावजूद, चुनाव में प्रॉक्सी के बजाय भाजपा उम्मीदवार को क्यों नहीं खड़ा किया जाता? अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन के बीच हाल ही में हुई बैठक का जिक्र कर रहे थे, जो उत्तरी कश्मीर की बारामूला सीट पर उमर से मुकाबला करेंगे। उमर ने सुझाव दिया कि अगर भाजपा घाटी में अपने उम्मीदवार उतारती है, तो वे अपनी जमानत खो देंगे, और कहा, "अगर वे अपनी जमानत नहीं खोते हैं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

हमारा मुकाबला किसी व्यक्ति या उम्मीदवार के खिलाफ नहीं है। मेरी लड़ाई उन उम्मीदवारों के साथ खड़ी ताकतों के खिलाफ है। हमारी लड़ाई भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ है। हालाँकि, एनसी का कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारा समझौता है, जिसके तहत कांग्रेस को घाटी में तीन सीटें मिलीं और कांग्रेस को जम्मू में दो सीटों के साथ-साथ लद्दाख सीट भी मिली। बारामूला में 20 मई को मतदान होना है, जहां एनसी के उमर, पीडीपी के पूर्व राज्यसभा सांसद फैयाज अहमद मीर और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन के बीच मुकाबला होगा। एनसी के मोहम्मद अकबर लोन इस सीट से मौजूदा सांसद हैं। उत्तरी कश्मीर से अपनी उम्मीदवारी के बारे में उमर ने कहा कि जिस हालिया विधानसभा सीट का मैंने प्रतिनिधित्व किया (बीरवाह) वह भी अब उत्तर में है, भाजपा की चालाकी के कारण, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। मध्य कश्मीर में श्रीनगर, जो एनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला का निर्वाचन क्षेत्र था, को लंबे समय से एनसी के गढ़ के रूप में देखा जाता रहा है। अब आगा सैयद रूहुल्ला पीडीपी के वहीद उर रहमान पारा के खिलाफ लड़ाई में पार्टी का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। रूहुल्ला को पार्टी के एक मुखर युवा नेता के रूप में देखा जाता है। एक पूर्व कैबिनेट मंत्री, वह एक शिया धर्मगुरु भी हैं, जिनका बडगाम और श्रीनगर जिले के कुछ हिस्सों में समुदाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव है। अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद उन्होंने कहा लोग यहां जिन कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। चुनौती अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी गरिमा और संवैधानिक अधिकारों के लिए लड़ने की है।

सड़क पर नमाज की पाबंदी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगें मेरठ के शहर काजी

मेरठ, (एजेंसी)। अयोध्या में प्रभु श्री रामलाल के मंदिर के फैसले को लेकर जब सुप्रीम कोर्ट की चर्चा छिड़ती थी तो बाबरी मस्जिद के पैरोकार और तमाम दलों के नेता एवं मुस्लिम धर्मगुरू दलील दिया करते थे कि कोर्ट संविधान से चलेग, ना की आस्था की बुनियाद पर फैसला ले सकता है, लेकिन जब इनके जज्बातों को ठेस लगी तो इसको आधार बना कर मेरठ के शाही ईदगाह में शहर काजी जैनुस साजिदीन ने ईद की नमाज पढ़ने के बाद खुत्बा पढ़ते हुए कहा, संविधान हर मजहब के लोगों को इबादत करने की आजादी देता है। ईद पर ईदगाह में ही नमाज पढ़ी जाती है। इधर, कुछ सालों से ईदगाह के बाहर नमाज पढ़ने पर पाबंदी लगाई जा रही है। इस बारे में राष्ट्रपति और अल्पसंख्यक आयोग में गुहार लगाई गई है, अगर वहां सुनवाई नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी कि क्या हमें 10 मिनट सड़क पर नमाज के लिए सहूलियत नहीं दी जा सकती है। गौरतलब हो, पुलिस ने जब सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने को लेकर कदम उठाया था तो विरोध में नमाज के पहले नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगे। कुछ लोग बांह पर काली पट्टी भी बांधे नजर आए। बड़ी संख्या में लोग फलस्तीन झंडे लगे स्टीकर लगाए थे जिस पर लिखा था- शांति के लिए प्रार्थना फलस्तीन के लिए प्रार्थना करें। कारी शफीकुर्रहमान ने बिना किसी पार्टी का नाम लिए एक जगह एक मुश्त वोट डालने की अपील की। नमाज के पहले तकरीर करते हुए कारी शफीकुर्रहमान ने कहा कि कांवड़ में जिस तरह हिंदुओं को सहूलियत दी जाती है तो क्या हमें 10 मिनट नमाज के लिए सहूलियत नहीं दी जा सकती है। उलमा ने ईदगाह के बाहर नमाज न पढ़ने देने पर भेदभाव का आरोप लगाया। कहा कि हम मुल्क में किराएदार नहीं साझेदार हैं। कहा, चंद साल से कानून को एक तरफ रख देश की हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जज्बातों के आधार पर फैसले किए जा रहे हैं। उलमा ने कहा कि फलस्तीन में मुसलमानों पर जुल्म हो रहे हैं। उन्होंने इजरायल के उत्पादों का बायकाट करने की अपील की।

वैसे मेरठ में नमाज करीब-करीब शांतिपूर्वक ही पढ़ी गई। प्रशासन ने पहले ही प्रशासन ने सड़क पर नमाज न पढ़ने की गाइडलाइन जारी की थी। शहर व आसपास के क्षेत्रों से अधिक भीड़ आने के कारण नमाज पढ़ने वालों की संख्या काफी रहती है। सड़क पर नमाज पढ़ने के बजाय इस बार सकारात्मक पहल हुई। मस्जिदों में अधिक भीड़ के कारण प्रदेश के कई मस्जिदों में दो बार नमाज पढ़ी गई। इस दौरान देश में अमन-चौन, शांति, तरक्की की दुआ की गई। उधर, अलीगढ़ में नमाज के बाद कुछ युवक फलस्तीन के समर्थन में पोस्टर लेकर पहुंच गए। पुलिस ने उन्हें जाने के लिए कहा, लेकिन नहीं माने। न मानने पर पुलिस ने कुछ युवकों को जीप में बिठा लिया। इससे नाराज अन्य लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर दी। नोकझोंक भी हुई। हंगामा होने पर पुलिस ने नाम-पते पूछकर पकड़े युवकों को जाने दिया।

आप कार्यकर्ताओं ने राज कुमार आनंद के दिल्ली स्थित आवास के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। राज कुमार आनंद के दिल्ली मंत्रिमंडल और पार्टी से इस्तीफा देने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकताओं ने शुक्रवार को पटेल नगर स्थित उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ता अंकुश नारंग ने कहा, पिछले चार साल से आनंद' आप' के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने उन लोगों से कई विकास परियोजनाओं का वादा किया था, जिन्होंने उन्हें वोट दिया था। उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। आनंद पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। आनंद ने 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवेश रत्न को हराकर जीत हासिल की थी। आनंद ने बुधवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और भ्रष्टाचार और पार्टी में दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए पार्टी भी छोड़ दी थी। पार्टी कार्यकताओं ने दावा किया कि कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। नारंग ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के डर से आनंद ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, आज आप के कई कार्यकताओं और यहां तक कि पटेल नगर के निवासियों ने भी उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें हमारे कुछ कार्यकताओं को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है।

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगने की कितनी संभावना, आप के खेमे में क्यों है टेंशन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जबरदस्त तरीके से सिसायी संकट का दौर बरकरार है। अरविंद केजरीवाल फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। हालांकि अभी भी वह मुख्यमंत्री पद की कुर्सी पर बने हुए हैं। भाजपा लगातार अरविंद केजरीवाल से इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी का दावा है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, हैं और आगे भी रहेंगे। ऐसे में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की एक चिट्ठी से आम आदमी पार्टी के टेंशन बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि एलजी ने गृह मंत्रालय को बताया है कि केजरीवाल के जेल जाने के बाद सरकार के कामकाज की चर्चा को लेकर बैठक बुलाई गई थी जिसमें मंत्रियों ने हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने बताया कि यह नेताओं की असंवेदनशीलता को दिखाता है। उपराज्यपाल के चिट्ठी को लेकर आम आदमी पार्टी के टेंशन बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी को ऐसा लग रहा है कि अब दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगने की संभावनाएं तेज हो सकती है। आज आम आदमी पार्टी की ओर से साफ तौर पर इसका दावा भी कर दिया गया। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए एक बड़ी राजनीतिक साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी उनकी सरकार को गिराने के लिए एक राजनीतिक साजिश है। हमें विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाएगा। लेकिन दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना गैरकानूनी और जनादेश के खिलाफ होगा। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि बीजेपी एक के बाद एक असंवैधानिक काम क्यों कर रही है? दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना उनमें से एक होगा। फरवरी में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट किया और जीतकर बहुमत साबित किया। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले के सिलसिले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता के आरोप पर भाजपा ने पलटवार किया है। दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि ''राष्ट्रपति शासन का डर'' आम आदमी पार्टी को सता रहा है, जिसके पास विधानसभा में 62 विधायक हैं। उन्होंने कहा कि आतिशी का बयान अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार पर दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी पर उनके डर और हताशा का प्रतिबिंब है।

अगर अरविंद केजरीवाल सोचते हैं कि वह जेल से सरकार चला सकते हैं, तो वह गलत हैं। उन्हें अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है, इसलिए वह अपनी पत्नी को चेहरे के तौर पर आगे कर रहे हैं. अगर दिल्ली संवैधानिक संकट की ओर बढ़ रही है तो इसके लिए पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीएम अरविंद केजरीवाल सत्ता के नशे में इतने चूर हैं कि वह जेल से सरकार चलाने के लिए उत्सुक हैं... मैं पूछना चाहता हूं कि क्या AAP में नेतृत्व की कमी है? आपके (AAP) पास 60 से ज्यादा विधायक हैं, उनमें से कोई भी CM बनने लायक नहीं है?...आप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए आरोप, ये उनकी पुरानी आदत है। दिल्ली एक केंद्र शासित प्रदेश है ऐसे में हमेशा यहां उपराज्यपाल की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रहती है।